XLRI in News
December 2019

PUBLICATION: Business Standard,Hindi
DATE: 4 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:12

अगले वर्ष से होगी एक्सएलआरआई के एनसीआर परिसर की शुरुआत

अभिषेक रक्षित

जैवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) अगले वर्ष से नई दिल्ली-एनसीआर स्थित अपने कैंपस में शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करने जा रहा है। पहले चरण में संस्थान के बिजनेस प्रबंधन कार्यक्रम के लिए दो सेक्शन के लिए 60-60 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

संस्थान का नया परिसर गुरुग्राम से 25 किलोमीटर दूर झज्जर जिले के नौरंगपुर में स्थित है। यह 36.34 एकड़ भूमि में फैला है और पहले चरण में 240 छात्रों के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे को पूरा करने पर काम कर रहा है। एक्सएलआरआई एआईसीटीई प्रमाणन के लिए आवेदन करेगा जबकि नए परिसर को स्वर्ण-स्तर का हरित भवन प्रमाणन मिल गया है।

दिल्ली-एनसीआर कैंपस में भी एक्सएलआरआई-जमशेदपुर की तरह ही शिक्षण व्यवस्था एवं पाठ्यक्रम के होने की उम्मीद है और मुख्य संस्थान के प्राध्यापक भी यहां आकर कक्षाएं लेंगे। जैवियर प्रवेश परीक्षा देने वाले छात्र एक्सएलआरआई के दिल्ली-एनसीआर परिसर में प्रवेश ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें जैट-2020 प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करते समय इसका चुनाव करना होगा।

एक्सएलआरआई के निदेशक पी क्रिस्टी ने कहा, 'आगामी भविष्य में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और इसके लिए बिजनेस क्षेत्र में अधिक नेतृत्वकर्ताओं की जरूरत होगी। एक्सएलआरआई ने देश में अपने विस्तार का फैसला लिया है और भारत के उत्तरी, पश्चिमी तथा दक्षिण हिस्सों में नए कैंपस स्थापित कर रहे हैं।'

झज्जर के नौरंगपुर में 36.34 एकड़ भूमि पर फैला है परिसर

साथ ही जैवियर प्रवेश परीक्षा 2020 के पंजीकरण की तिथि को बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया गया है और इस वर्ष के लिए पंजीकरण में देरी पर लगने वाले शुल्क को भी हटा लिया गया है। इस साल जनवरी में जमशेदपुर में 70 साल का सफर पूरा करने के बाद एक्सएलआरआई ने आंध्र प्रदेश के अमरावती में अपने नए परिसर की आधारशिला रखी। यह परिसर 50 एकड़ में फैला है, और आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में स्थापित किया जा रहा है। यहां करीब 5,000 छात्रों को पढ़ाने की सुविधा होगी जहां प्रबंधन क्षेत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस वर्ष अक्टूबर माह में संस्थान ने 361 छात्रों के बैच में शत-प्रतिशत समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट का लक्ष्य हासिल किया और इस पूरी प्रक्रिया में 86 कंपनियां शामिल थीं। इस वर्ष समर इंटर्नशिप के लिए औसत वेतन में 12.15 प्रतिशत इजाफा हुआ और यह वर्ष 2018 के 1.07 लाख रुपये महीना से बढ़कर 1.2 लाख रुपये पर पहुंच गया। इस बार बीएफएसआई क्षेत्र ने सबसे अधिक वेतन दिया जो 2.5 लाख रुपये महीना था।

संस्थान में पहली बार आने वाली कंपनियां जैसे बेन ऐंड कंपनी, एमेजॉन, एनआईआईएफ, फोनपे, उड़ान, शेल, ओला, अदाणी, रूपेक, कॉनफेरी आदि ने भी छात्रों को नौकरी प्रस्ताव दिए। सलाहकार क्षेत्र की कंपनियों ने 16 प्रतिशत छात्रों को नौकरियां दीं तो वहीं बीएफएसआई क्षेत्र ने 40 प्रतिशत छात्रों को। 17 प्रतिशत नौकरी प्रस्ताव बिजनेस प्रबंधन क्षेत्र के छात्रों को दिए गए। दूसरे क्षेत्रों में एनालिटिक्स, उत्पाद प्रबंधन, बिजनेस डेवलपमेंट, ब्रांड मैनेजमेंट और स्ट्रेटजी शामिल रहे।

PUBLICATION: Business Standard
DATE: 4 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 14

XLRI expands footprint, to open NCR campus from next year

AVISHEK RAKSHIT
Kolkata, 3 December

XLRI-Xavier School of Management has said it will start its Delhi-National Capital Region (NCR) campus from June next year. In the first phase, two sections of 60 students each for the business management programme (2020-22 batch) will be granted admission at its new campus in Jhajjar, 25 km from Gurugram.

This new state-of-the art campus, spread over 36.34 acres, is being readied to accommodate 240 students in the first phase. While XLRI-Xavier School of Management will be applying for AICTE certification, the new campus has earned a gold-level green building certification.

The New Delhi campus is expected to have the same pedagogy and curriculum as XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur, and the faculty from the main campus will also take classes at the new campus. Students who get through Xavier Admission Test (XAT) will be able to get admission to XLRI's Delhi-NCR campus. The choice will have to be made while applying for XAT-2020 Entrance Test.

XLRI — Xavier School of Management campus at Delhi-NCR

P Christie, director at XLRI-Xavier School of Management, said, "With India slated to become the fifth-largest economy in the world in the near future, there is a concomitant need for more business leaders. XLRI took a strategic decision to expand its footprint across the country and set up new campuses in the north, west, and southern parts of India."

The registration for XAT-2020 has been extended till December 10 and late registration fees have been waived this year.

In January this year, after 70 years of its confinement in the steel city of Jamshedpur, XLRI had laid the foundation stone for its new campus at Amaravati in Andhra Pradesh. This campus, spread across 50 acres, is being set up in the Guntur district in Andhra Pradesh and would accommodate around 5,000 students where postgraduate and undergraduate programmes in management education will be offered.

In October this year, the institute achieved 100 per cent summer internship placement for its batch of 361 students, who were inducted by 86 participating recruiters. The average stipend for the summer internship increased by 12.15 per cent this year to touch ₹1.2 lakh per month, from ₹1.07 lakh per month in 2018.

PUBLICATION: Business Standard Hindi

DATE: 19 December 2019

EDITION: All Edition

PAGE: 12

नागरिकता मामले पर आईआईटी-आईआईएम की चुप्पी

बीएस संवाददाता

जब आप बेंगलूरु में नैशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी के परिसर में प्रवेश करेंगे तब आपका सामना बड़े काले बैनर से होगा जिस पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के साथ एकजुटता का संदेश लिखा गया है। जामिया और एएमयू परिसर में पुलिस की कार्रवाई के विरोध में देश के प्रमुख संस्थानों मसलन आईआईटी, आईआईएम और आईआईएससी में इस तरह के एकता वाले संदेश दिखना अब सामान्य है। छात्र और शिक्षकों ने निजी तौर पर जामिया और एएमयू के छात्रों का समर्थन किया है हालांकि इन प्रतिष्ठित संस्थानों ने पुलिस की कार्रवाई या नागरिकता संशोधन कानून पर अपनी तरफ से कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की है।

बुधवार को आईआईटी छात्र परिषद ने जामिया, एएमयू और दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसरों में हाल में हुई पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए इन विश्वविद्यालयों के छात्रों के प्रति अपनी एकजुटता जाहिर की है। आईआईटी कानपुर के छात्रों के एक समूह ने हाथों में तख्तियां लेते हुए परिसर में ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। हालांकि संस्थान के शिक्षकों ने इस प्रदर्शन से खुद को अलग ही रखा।

आईआईटी कानपुर के उप निदेशक मनींद्र अग्रवाल ने बताया, 'छात्रों का प्रदर्शन पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ जामिया के छात्रों के साथ अपनी एकता दर्शाने के लिए था क्योंकि उनका मानना है कि जामिया के छात्रों के साथ गलत हुआ है। इसका नागरिकता संशोधन कानून से कोई लेना-देना नहीं है।' पिछले गुरुवार को संसद में विवादास्पद नागरिकता संशोधन विधेयक पारित कराया गया था जिसके मुताबिक पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में धार्मिक प्रताड़ना के शिकार गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है।

आईआईएम अहमदाबाद के फैकल्टी सदस्यों और छात्रों ने भी आईआईटी मद्रास, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी बंबई, आईआईएम बेंगलूर, आईआईएम इंदौर, आईआईएम कलकत्ता, एक्सएलआईआई, जमशेदपुर और एफएमएस दिल्ली के छात्रों और फैकल्टी के साथ नए नागरिकता कानून के खिलाफ एक पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस पत्र में कहा गया, 'एक नागरिक और अकादमिक समुदाय के सदस्यों के तौर पर हम नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन दर्ज करा रहे हैं। यह कानून भेदभाव करने वाला और भारतीय संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन करने वाला है।'

PUBLICATION: Business Standard

DATE: 19 December 2019

EDITION: All Edition

PAGE: 16

Faculty and students come out in solidarity

BS REPORTERS
Bengaluru/Ahmedabad/Lucknow/Kolkata/Chennai, 18 December

When you enter the campus of National Law School of India University (NLSIU), Bengaluru, you will be welcomed with a big, black banner which says 'In solidarity with JMI and AMU'.

After the police crackdown at Jamia Millia Islamia (JMI) and Aligarh Muslim University (AMU), scenes like these have become a common sight at premier institutes such as IITs, IIMs and IISc.

While the students and faculty members have come out in support of JMI and AMU, institutions have steered clear from issuing any official comment on either the police crackdown or the Citizenship Amendment Act (CAA).

The IIT Student's Council on Wednesday came out in full strength, condemning the police action on campuses of JMI, AMU and Delhi University earlier this week.

"We, the student representatives across IITs as part of the IIT Student's Council, stand in solidarity with the students of JMI, DU and AMU in light of the extreme and continued police brutality against students of these universities," stated the IIT Student's Council. Agrawal of IIT Kanpur students, some of them holding placards or with hands raised, took out a silent march on the campus to decry the police action. However, faculty at the institute distanced themselves from the issue.

"Their (the students') protest was entirely to express solidarity with the JMI students regarding the police action, since they felt that the Jamia students had been treated unfairly. It had nothing to do with the CAA," said IIT K deputy director Manindra Agarwal.

Students shout slogans during a protest against the Citizenship Amendment Act in Kochi
PHOTO: PTI

Parliament had, on Thursday, passed the controversial Citizenship Amendment Bill, which allows people belonging to religious minority groups persecuted in Pakistan, Afghanistan and Bangladesh, to get Indian citizenship. Students from IIT Kharagpur have issued a statement expressing solidarity with those who were victims of the police crackdown but the institute clarified it should not be linked to CAA. "There has not been any protest or activity opposing the CAA or NRC," said Sriman Kumar Bhattacharya, director at IIT Kharagpur.

Faculty members and students from IIM Ahmedabad have joined their peers from IIT Madras, IIT Kharagpur, IIT Bombay, IIM Bangalore, IIM Indore, IIM Calcutta, XLRI Jamshedpur, and FMS Delhi, among others, in signing a letter protesting against the CAA.

"As citizens and members of the academic community, we write to register our protest at the recent enactment of the CAA. The Act is discriminatory and violative of the basic structure of the Indian Constitution," the letter read.

IIM A faculty member Reetika Khera, who was part of the protest, said, "Apart from questions on the CAA raised in the letter, it is distressing to see the violent response of the state to democratic dissent. Further, the National Register of Citizens (which will follow the CAA) has already been shown in Assam to be an expensive, futile exercise, with terrible human costs. It will affect all of us, but the bigger burden will fall on the poor."

NLSIU students have come up with a FAQ booklet in five languages, namely English, Kannada, Tamil, Hindi and Malayalam, explaining how CAA forms a 'sinister duo' along with the NRC.

"Any right thinking person will say it (CAA) hits right at the value this country stands for. Religion cannot be a basis for allowing a person to settle in the country," said Hamza Tariq, a fifth year law student at NLSIU.

The protests have also spilled over to the premier Indian Institute of Science (IISc), Bengaluru, with students reading the Preamble of the Constitution as a pledge to their fight against CAB and NRC. However, a faculty member clarified only 50-60 students participated in the protest compared to the 4,000 at the campus.

"There is no buzz about these things (political protests) at the campus," said the professor. The protests have crossed national boundaries and reached global institutes like Oxford, Harvard, Yale and MIT. The students and scholars at Oxford University staged a protest march to India House in London against CAA and the police action on students. Students and teachers at Columbia University in the US also issued a solidarity statement and planned a protest march.

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:3 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:3

एजुकेशन: संस्थान ने जैट के लिए आवेदन करने की तिथि 10 तक बढ़ाई

एक्सएलआरआई के दिल्ली-एनसीआर कैंपस में दाखिले की प्रक्रिया शुरू, 2020 से होगी पढ़ाई

डीबी स्टार • जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर देश का पहला ऐसा संस्थान बनने जा रहा है, जो अब महानगरों में अपने कैंपस को हकीकत बनाने जा रहा है। अमूमन कोई संस्थान बड़े शहर से शुरू होकर बाद में छोटे शहर की ओर रूख करता है, लेकिन एक्सएलआरआई देश का ऐसा पहला संस्थान बनने जा रहा है जो छोटे शहर से शुरू होने के बाद अपने कैंपस को दिल्ली-एनसीआर में शुरू करने जा रहा है। यह कैंपस 2020 से शुरू होगा और इसमें दाखिला के लिए जैट के जरिए आवेदन भी आमंत्रित किए गए हैं। संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि दिल्ली कैंपस को ध्यान में रखते हुए जैट (जेवियर एडमिशन टेस्ट) के आवेदन की तिथि 10 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली कैंपस में पहले चरण में 120 स्टूडेंट्स का बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम में दाखिला होगा। हरियाणा के झज्जर में 36.34 एकड़ में बने इस अत्याधुनिक कैंपस में 240 विद्यार्थियों के पढ़ने की व्यवस्था होगी। कैंपस दिल्ली से 25 किमी. दूर है।

एक्सएलआरआई के दिल्ली का नया कैंपस

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 6 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

6 कैटेगरी में मिलेगा डिस्टिन्ग्यूइश एल्युमिनस अवॉर्ड

एक्सएलआरआई के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का जमावड़ा 14-15 दिसंबर को, देश-विदेश के 250 स्टूडेंट्स करेंगे शिरकत

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

यंग अचीवर सहित अन्य अवॉर्ड

एक्सएलआरआई के होमकमिंग-19 में छह केटेगरी में डिस्टिन्ग्यूइश एल्युमिनस अवॉर्ड दिए जाएंगे। ये अवॉर्ड लाइफटाइम एचीवमेंट, प्रेक्टिसिंग मैनेजर, एकेडमिशियन, यंग अचीवर, इंटरप्रन्योर और एलायड फिल्ड में दिए जाएंगे।

एक्सएलआरआई जमशेदपुर का सालाना होमकमिंग-19 प्रोग्राम 14-15 दिसंबर को संस्थान के टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि इस होम कमिंग में दुनिया भर के 250 पूर्ववर्ती छात्र भाग लेंगे, जो शीर्ष पदों पर आसीन हैं। इस साल 1979 और 1969 बैच के एक्सएलआर होमकमिंग का हिस्सा बनेंगे और 40 और 50 साल पहले की मधुर यादों को एक दूसरे के साथ शेयर करेंगे।

बकौल फादर क्रिस्टी, एक्सएलआरआई के लिए होम कमिंग कार्यक्रम काफी खास है। 70 साल पुराने इस संस्थान के दुनिया भर में हजारों पूर्ववर्ती छात्र हैं, जो कंपनियों के शीर्ष पद पर आसीन है। संस्थान के छात्र कारपोरेट के अलावा कला, संगीत और राजनीति में भी अहम योगदान दे रहे हैं। हमारे पूर्ववर्ती छात्र टॉर्च बेयरर्स हैं, जो एक्सएलआरआई के कल्चर को आगे बढ़ा रहे हैं। वे आज के और भविष्य के विद्यार्थियों के टू रोल मॉडल हैं। उम्मीद है कि होम कमिंग प्रोग्राम में पूर्ववर्ती विद्यार्थियों से मिलकर वर्तमान छात्र न केवल प्रेरित होंगे, बल्कि दुनिया के बदलाव के वाहक बनेंगे। एक्सएलआरआई एल्युमनी के चेयरपर्सन डॉ.प्रणवेश रे ने बताया कि यह कार्यक्रम एक्सएलआरआई फैमिली के बीच के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है। एक्सएलआरआई एल्युमनी एसोसिएशन के नेशनल प्रेसीडेंट राणा सिन्हा ने कहा कि एक्सएलआरआई देश का सबसे पुराना बिजनेस स्कूल है, जिसके पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का नेटवर्क काफी समृद्ध है। इसके देश के विभिन्न शहरों के साथ ही विदेशों में भी चैप्टर हैं, जिसकी नियमित गेट टू गेदर होती रहती है। जमशेदपुर के अलावा चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु समेत दुबई और सिंगापुर में भी एल्युमनी एसोसिएशन है। पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने 2008 में एक्सएलआरआई इंडोवमेंट फंड का सृजन कर रखा है, जो जरूरतमंद छात्रों को पढ़ाई में मदद करता है।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 15 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

जितंद्र सिंह को मिला डिस्टिंगविश एल्युमिनस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

एक्सलर्स के लिए एल्युमिनस अवॉर्ड ऑस्कर की तरह इसे पाना यहां के हर छात्र का सपना: रणवीर सिन्हा

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

दो दिवसीय होमकमिंग-2019 एक्सएलएलआरआई के टाटा ऑडोटोरियम में हुआ शुरू

इन्हें एल्युमिनाई को मिला पुरस्कार

▪ डिस्टिंगविश एल्युमनस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : जितेंद्र सिंह, प्रोफेसर एमेरिटस ▪ डिस्टिंगविश एल्युमनस अवॉर्ड (प्रैक्टिसिंग मैनेजर) : कृष्ण शंकर, ग्रुप हेड : एचआरडी इन्फोसिस, प्रतीक कुमार, विप्रो के वरिष्ठ सदस्य, जुधजीत दास, मुख्य मानव संसाधन, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, रामाकृष्णन राममूर्ति पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड ▪ डिस्टिंगविश एल्युमनस अवॉर्ड : अरिजीत विश्वास, स्क्रिप्ट राइटर ▪ डिस्टिंगविश एल्युमनस अवॉर्ड (उद्यमी) : धवल शाह, संस्थापक, फार्म ईजी ▪ डिस्टिंगविश एल्युमनस अवॉर्ड (शिक्षाविद) : डॉ. आनंद नरसिम्हन, डॉ. मदन पिल्लुतला

सम्मानित करते अतिथि।

हर एक्सलर्स के लिए एल्युमनस अवॉर्ड ऑस्कर की तरह होता है। यहां पढ़ने वाले छात्र के लिए सपना होता है कि व इस मुकाम को हासिल कर सके कि उसे एक्सएलआरआई के होमकमिंग में एल्युमनस अवॉर्ड मिले। यह बातें एक्सएलआरआई एल्युमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा सिन्हा ने कहीं। एक्सएलआरआई में शनिवार से दो दिवसीय होमकमिंग-2019 के तहत शनिवार शाम को एक्सएलएलआरआई के टाटा ऑडोटोरियम में एल्युमनस अवॉर्ड समारोह में राणा सिन्हा ने कहा कि होमकमिंग में पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं का जमावड़ा घर वापसी की तरह है। इससे पहले समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी. क्रिस्टी एसजे, एक्सएलआरआई एल्युमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा सिन्हा और प्रोफेसर प्रणबेश रे ने संयुक्त रूप से किया।

समारोह में एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी. क्रिस्टी एसजे ने कहा कि होमकमिंग एक्सएलआरआई का सबके लिए सबसे प्रतिष्ठित है। हमारे पूर्व छात्र एक्सएल-संस्कृति के मशाल वाहक हैं और दुनिया के लिए एक्सएलआरआई के दृष्टिकोण और मिशन को ले गए हैं। वे हमारे वर्तमान और भविष्य के छात्रों के लिए सही रोल मॉडल हैं। समारोह में प्रवणेश रे ने कहा कि होमकमिंग वार्षिक समारोह है। यह घर वापस आने जैसा है। यह हमारे एक्सएल ब्रांड को मजबूत करता है। इस दौरान हम पूर्व छात्र अपने पुराने परिचितों, सहपाठियों और शिक्षकों से मिलते हैं और पुरानी यादों को ताजा करते हैं। समारोह में एक्सएलआरआई के पूर्व निदेशक फादर ई. अब्राहिम, डॉ. एके पाणि समेत कई प्रोफेसर मौजूद थे।

देश -विदेश के छात्र पहुंचे: समारोह में एल्युमनाई एसोसिएशन से जुड़े भारत के बेंगलुरु, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे के अलावा सिंगापुर, दुबई, अमेरिका, इंग्लैड और कनाडा से कई पूर्ववती विद्यार्थी पहुंचे हैं। समारोह के दौरान डिस्टिंगविश एल्युमनस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड जितेंद्र सिंह को मिला।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:10 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

मार्केटिंग फेयर इसके आधार पर दुनिया की कंपनियों ने प्रोडक्ट की लांचिंग के साथ बिजनेस स्ट्रेटजी को बनाया

एक्सएलआरआई का मैक्सी फेयर 11-12 जनवरी को, 4 कंपनियों के रिसर्च प्रॉब्लम का हिस्सा बनेंगे शहरवासी

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

देश के सबसे पुराने मार्केटिंग फेयर का शुभारंभ 1979 में प्रो. शरद सरीन ने किया

एक्सएलआरआई जमशेदपुर के मैक्सी फेयर (मार्केटिंग फेयर) में भाग लेने वाले शहरवासियों की रायशुमारी के आधार पर दुनिया की कंपनियों ने न केवल अपने प्रोडक्ट लांच किए हैं बल्कि अपनी बिजनेस स्ट्रेटजी बनाई है। संस्थान के मैक्सी कमेटी के अभिलाष नंदी ने कहा- कई ऐसी सक्सेस स्टोरी हैं, जो एक्सएलआरआई के मैक्सी फेयर को कंज्यूमर बिहेवियर की एक सफल प्रयोगशाला बताती है।

ब्रुक बांड ने मैक्सी फेयर के रिसर्च के आधार पर अपने चाय के पैक को लांच किया। नेस्ले ने मैक्सी फेयर की रायशुमारी के आधार पर अपनी बिजनेस स्ट्रेटजी को बदला, रिचर्डसन हिन्दुस्तान ने हर्बल प्रोडक्ट्स को लांच किया और रेकेट बेन्साइजर ने अपना ब्रांड एक्टिवेशन किया। बकौल नंदी, पिछले साल इस फेयर में 10 हजार लोग आए थे, जो आईटीसी, कोकाकोला और नेस्ले के दिए प्रॉब्लम के सॉल्यूशन्स देने का हिस्सा बने। इस साल भी चार कंपनियों से हमारी बात हो गई है। जैसे ही इनके साथ एमओयू साइन होगा, हम इन कंपनियों के नाम की घोषणा कर देंगे। इस बार मैक्सी फेयर 11-12 जनवरी को होगा।

1979 में प्रोफेसर शरद सरीन ने शुरू किया था: देश के इस सबसे पुराने मार्केटिंग फेयर का शुभारंभ 1979 में हुआ था। मार्केटिंग के प्रोफेसर शरद सरीन के नेतृत्व में इसका शुभारंभ हुआ था, जो आगे चलकर दुनिया भर की कंपनियों के प्रॉब्लम के समाधान का मंच बना। इस फेयर में इंडस्ट्री के प्रॉब्लम को गेम की शक्ल में पेश किया जाता है। इस गेम को

खेलने वालों का पता नहीं होता है कि वे किसी रिसर्च का हिस्सा बन रहे हैं। विभिन्न तरह के गेम और प्रश्नावली के जरिए फेयर में आने वाले लोगों की राय को जाना और समझा जाता है।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar,DB Star

DATE: 14 December 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 1

ऊर्जा संरक्षण दिवस आज : एमजीएम कॉलेज में सोलर एनर्जी से बिल में 20 प्रतिशत की आई कमी

सौर ऊर्जा से रोशन हो रहा टाटानगर रेलवे स्टेशन, एक्सएलआरआई डीसी ऑफिस एमजीएम कॉलेज, सदर अस्पताल सहित कई संस्थान

9 कस्तूरबा में लगा है सोलर प्लेट

ललित दुबे • जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कार्यालय से लेकर सदर अस्पताल, बिष्टुपुर मुख्य डाकघर, एमजीएम कॉलेज समेत कई सरकारी संस्थानों में ऊर्जा के गैर परंपरागत स्त्रोत का इस्तेमाल हो रहा है। यहां सोलर रूफ टॉप के माध्यम से बिजली पैदा हो रही है। सोलर प्लेट से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा से कुल खपत का लगभग 20 प्रतिशत हिस्से की आपूर्ति हो रही है।

एमजीएम कॉलेज में एक साल पहले ही रूफ टॉप सोलर प्लेट लगा है। एमजीएम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एसी अखौरी ने बताया कि सोलर एनर्जी से उत्पन्न हो रही बिजली से लाईब्रेरी, प्रशासनिक भवन, प्रयोगशालाओं में खपत होती है, उन्होंने बताया कि एक वर्ष से बिजली बिल में 20 प्रतिशत की कमी आई है। कॉलेज प्रशासन सोलर प्लेट की संख्या बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। जिला शिक्षा विभाग के एडीपीओ पंकज कुमार ने कहा कि पिछले डेढ़ साल की बात करें तो जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में सोलर प्लेट लगा है। इससे केजीबीवी में बिजली की आपूर्ति होती है। बिजली कट होने पर यह काफी लाभदायक साबित हो रहा है।

एमजीएम कॉलेज की छत पर लगाया गया सोलर पैनल।

इन संस्थानों में लगाया है रूफ टॉप सोलर प्लेट

- जिले के सभी कस्तूरबा गांधी विद्यालय
- एक्सएलआरआई
- खासमहल स्थित सदर अस्पताल
- एमजीएम कॉलेज
- उपायुक्त कार्यालय
- बिष्टुपुर मुख्य डाकघर
- रेलवे स्टेशन(बैटरी नहीं लगी)
- बिष्टुपुर वीमेंस कॉलेज

50% सब्सिडी देती है सरकार

घरों की छतों पर लोग सोलर पैनल लगा सकते हैं। राज्य सरकार इसके लिए 50 प्रतिशत की सब्सिडी देती है। झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (जरेडा) से मिली जानकारी के मुताबिक झारखंड सरकार ने सौर ऊर्जा से 3 मेगावाट को बढ़ाकर 11 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

सौर ऊर्जा से उत्पन्न की जाने वाली बिजली का इस्तेमाल हमारे संस्थान में बीते एक वर्ष से हो रहा है। इससे हमारे बिजली बिल पर साफ असर दिखता है। वहीं हर महीने आने वाले बिल में जबसे सोलर पैनल लगाया है तबसे 20 प्रतिशत की कमी आई है। ●

डॉ. एसी अखौरी, प्रिंसिपल, एमजीएम मेडिकल कॉलेज

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 20 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई के जैट के आवेदकों का एडमिट कार्ड आज होगा अपलोड

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई जमशेदपुर समेत देश के जेवियर संस्थानों में दाखिला के लिए 5 जनवरी को जैट-20 (जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट) का आयोजन होगा। इस परीक्षा में शामिल होने वाले आवेदकों के एडमिट कार्ड को 20 दिसंबर को डाउनलोड कर दिया जाएगा। एक्सएलआरआई के एडमिशन विभाग के अनुसार जैट के लिए लगभग एक लाख आवेदन आए हैं, जिनके एडमिट कार्ड को 20 दिसंबर को संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों की प्राथमिकता के आधार पर परीक्षा केंद्र दिया गया है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 30 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:2

परीक्षा में एक लाख से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

एक्सएलआरआई समेत 150 बी स्कूलों में दाखिले को 72 शहरों में 5 को जैट-2020

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई समेत देशभर के 150 बी स्कूलों में दाखिले के लिए जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट (जैट-2020) का आयोजन पांच जनवरी को होगा। प्रवेश परीक्षा देशभर के 72 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 9.30 से दोपहर 12.30 बजे तक ऑनलाइन होगी। रिजल्ट 31 जनवरी के पहले आ जाएगा। इसके बाद ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू होगा।

झज्जर कैंपस में भी होगा दाखिला

संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि इस टेस्ट को ऐसे डिजाइन किया गया है कि वह परीक्षार्थियों की लीडरशिप की परख कर सके। इस साल जैट के जरिए एक्सएलआरआई जमशेदपुर समेत एक्सएलआरआई दिल्ली में भी दाखिला होगा। एक्सएलआरआई ने अपना नया कैंपस हरियाणा के झज्जर में बनाया है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:26 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

फ्लावर शो में उमड़ी लोग की भीड़।

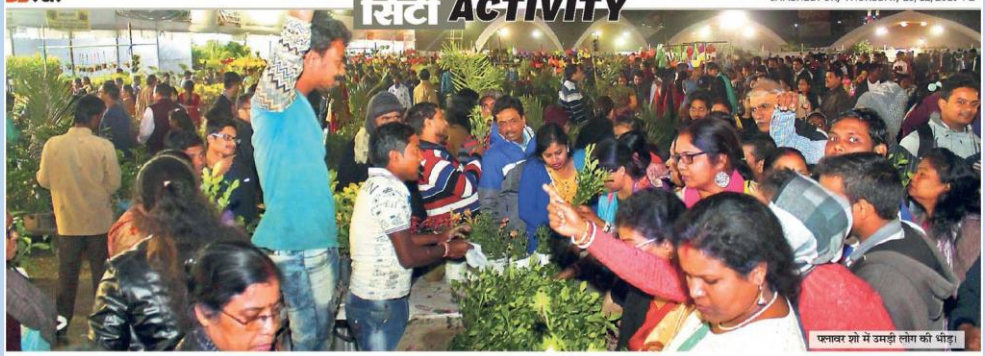

फ्लावर शो का समापन: पहली बार आगंतुकों की संख्या हुई कम, पिछले साल के मुकाबले 20 हज़ार लोग कम आए

इंस्टीट्यूशनल कैटेगरी में एक्सएलआरआई दूसरे साल भी रहा ओवरऑल चैंपियन, इंडविजुअल में प्रमोद अव्वल

एक्सएलआरआई को कुल आठ कैटेगरी में से चार में चैम्पियन होने का मिला खिताब

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

गोपाल मैदान में बुधवार को समाप्त हुए फ्लावर शो में दूसरे साल भी संस्थागत वर्ग में देश के अग्रणी बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई जमशेदपुर को ओवरऑल चैंपियन का अवॉर्ड मिला। एक्सएलआरआई को कुल आठ कैटेगरी में से चार में चैम्पियन होने का खिताब मिला। डहेलिया, पोट्टेड प्लांट, सीजनल्स और कट फ्लावर्स में एक्सएलआरआई पहले स्थान पर रहा। एमेच्योर (शौकिया) वर्ग में प्रमोद सिंह ओवरआल चैंपियन रहे।

पिछले साल शौकिया वर्ग में प्रेरणा तोडी ओवरऑल चैंपियन बनी थीं। इस साल प्रमोद सिंह कुल आठ कैटेगरी में से तीन में विजेता बने। डहेलिया के साथ रोज और सीजनल्स केटेगरी में सिंह विजेता रहे। फ्लावर शो के समापन समारोह में डीसी रविशंकर शुक्ला ने विभिन्न केटेगरी के विजेताओं को पुरस्कृत किया। एमेच्योर वर्ग में किंग ऑफ द शो का अवॉर्ड सेजर (वेरायटी-एरिस्टोकेट) और क्वीन ऑफ द शो का अवॉर्ड निरंजन महतो (सीटोन्स लेस) को मिला। विग इंग्लिश स्कूल गोविंदपुर संस्थागत वर्ग में किंग ऑफ द शो और क्वीन ऑफ द शो रहा।

इस साल मेले में स्कूली विद्यार्थियों के साथ ही घर में बागवानी करने वाले लोगों के लिए तकनीक सत्र नहीं होने का पड़ा प्रभाव

प्रतिभागियों को सम्मानित करते डीसी रविशंकर शुक्ला।

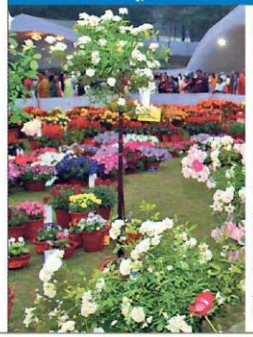

पिछले साल चार दिन में 65 हजार विजिटर्स शो में आए थे

फ्लावर शो के अंतिम दिन 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी की वजह से काफी भीड़ रही। शाम को गोपाल मैदान में पैर रखने की जगह भी नहीं थी, लेकिन पहले तीन दिन में पिछले साल के मुकाबले काफी कम भीड़ रही। पिछले साल चार दिन में 65 हजार के करीब विजिटर्स शो में आए थे, जो इस साल 45 हजार हो गए। पहला मौका है जब शो में आने वाले विजिटर्स कम हो गए। 2017 में 62 हजार, 2018 में 65 हजार और 2019 में 45 हजार लोग मेले में आए। इस साल मेले में स्कूली विद्यार्थियों के साथ ही घर में बागवानी करने वाले लोगों के लिए तकनीक सत्र नहीं होने होने का प्रभाव भी पड़ा है।

एमेच्योर में 'किंग ऑफ द शो' का अवॉर्ड सेजर व 'क्वीन ऑफ द शो' निरंजन को

क्लास	एग्जिबिट	प्रतिभागी
क्रिजैन्थेमम	एमेच्योर	सेजर
	इन्स्टीट्यूशन	विग इंग्लिश स्कूल
डहेलिया	एमेच्योर	सेजर
	इन्स्टीट्यूशन	एक्सएलआरआई
पोट्टेड प्लांट्स	एमेच्योर	प्रमोद सिंह
	इन्स्टीट्यूशन	एक्सएलआरआई
बोन्साई	एमेच्योर	भोवेश मंडल
	इन्स्टीट्यूशन	मेसर्स वोर्ना स्टोर
पोट्टेड फ्रूट्स एंड वेजेटेबल्स	एमेच्योर	सेजर
	इन्स्टीट्यूशन	टीआरएफ
रोज (गुलाब)	एमेच्योर	प्रमोद सिंह
	इन्स्टीट्यूशन	गंगा रिजेन्सी
सीजनल्स	एमेच्योर	प्रमोद सिंह
	इन्स्टीट्यूशन	एक्सएलआरआई
कट फ्लावर्स	एमेच्योर	चंदन दलाल
	इन्स्टीट्यूशन	एक्सएलआरआई

PUBLICATION: Dainik Jagran, Jagran City

DATE: 15 December 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 1

जितेंद्र को लाइफटाइम अचीवमेंट अलुमिनस अवार्ड

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ में पूर्ववर्ती छात्रों के सबसे बड़े समागम एनुअल अलुमनी होमकमिंग- 2019 का दो दिवसीय आयोजन शनिवार को शुरू हुआ। पहले दिन का मुख्य आकर्षण डिस्टिंग्विश अलुमनी अवार्ड समारोह का रहा। इसके तहत संस्थान के नौ पूर्ववर्ती छात्रों को अलग-अलग पांच श्रेणियों में विभिन्न अवार्ड प्रदान किए गए। ये सभी अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता दर्ज कर रहे हैं। इस बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रोफेसर जितेंद्र सिंह को दिया गया। वे एक्सएलआरआइ में पर्सनल मैनेजमेंट एंड इंडस्ट्रियल रिलेशन (पीएमआइआर 1970) बैच के छात्र रहे हैं।

चार पूर्व छात्रों को प्रैक्टिसिंग मैनेजर अवार्ड: इस बार प्रैक्टिसिंग मैनेजर श्रेणी में चार पूर्ववर्ती छात्रों को सम्मानित किया गया। इनमें इंफोसिस में एचआरडी के ग्रुप हेड कृष शंकर (पीएमआइआर 1984), विप्रो में सीनियर लीडरशिप टीम के सदस्य प्रतीक कुमार (पीएमआइआर 1988), आइसीआइसीआइ प्रूडेंशियम में मानव संसाधन प्रमुख जुधाजित दास (पीएमआइआर 1995) व पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड के चीफ एक्जीक्यूटिव रमाकृष्णना राममूर्ति (बिजनेस मैनेजमेंट 1982) शामिल हैं।

अलाइड फील्ड श्रेणी में पटकथा लेखक अरिजीत विश्वास (पीएमआइआर 1991), इंटरप्रेन्योर श्रेणी में फार्म इजी के संस्थापक धवल शाह (एचआरएम 2014), एकेडमिशियन श्रेणी में लंदन बिजनेस स्कूल के फैकल्टी डॉ. मदन पिलुतला (पीएमआइआर 1991) को अलुमिनस अवार्ड से नवाजा गया।

प्रो. जितेंद्र सिंह को अवार्ड प्रदान करते एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर पी क्रिस्टी साथ में राणा सिन्हा (बीच में) व डा. प्रणवेश रे बायें व स्वागत गान प्रस्तुत करते कलाकार ● जागरण

सर्वाधिक सक्रिय संस्था एक्सएलआरआइ एलुमनी एसोसिएशन : राणा सिन्हा

इस मौके पर अपने संबोधन में एक्सएलआरआइ एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा सिन्हा ने कहा कि भारत के बिजनेस स्कूलों में सर्वाधिक सक्रिय सदस्यों की संस्था है एक्सएलआरआइ एलुमनी एसोसिएशन। प्रत्येक साल भारत व दूसरे देशों के विभिन्न शहरों में पूर्ववर्ती छात्रों का समागम होता रहता है। इस साल अलुमनी समर मीट का आयोजन चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरू के अलावा दुबई व सिंगापुर में किया गया। पूर्व के वर्षों में इस तरह के आयोजन यूएसए, दुबई, टोरंटो में कराए जा चुके हैं। 2008 में एक्सएलआरआइ इंडोवमेंट फंड (एक्सइएफ) की स्थापना की गई।

एनुअल अलुमनी होमकमिंग- 2019 में विद्यार्थियों ने अपनी कला से लोगों को रू-ब-रू करया ● जागरण

यादें ताजा

- एक्सएलआरआइ में शुरू हुआ पूर्ववर्ती छात्रों का समागम एनुअल होमकमिंग
- अलुमिनस अवार्ड से नवाजी गई पांच श्रेणियों में कुल नौ हस्तियां

2008

में एक्सएलआरआइ इंडोवमेंट फंड की हुई थी स्थापना, विदेशों में भी हुए हैं कार्यक्रम

1979 बैच का 40वां व 1969 का 50वां रियूनियन

संस्थान में इस तरह का यह 17वां आयोजन है। हर साल पूर्ववर्ती छात्रों के किसी खास बैच के छात्र-छात्राओं के पुनर्मिलन का आयोजन किया जाता है। एनुअल होमकमिंग 2019 के तहत एक्सएलआरआइ के 1979 बैच के लिए 40वां जबकि 1969 बैच के लिए 50वां रियूनियन है। इन दोनों बैच में छात्र बड़ी संख्या में इस बार के आयोजन की शोभा बढ़ा रहे हैं। कुल मिलाकर करीब ढाई सौ पूर्व छात्र इस बार मिलन समारोह के लिए जुटे हैं जिसमें 1971 बैच के छात्र भी हैं।

वर्तमान और भविष्य के छात्रों के लिए रोल मॉडल हैं पूर्ववर्ती छात्र : निदेशक

टाटा ऑडिटोरियम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने कहा कि एनुअल होमकमिंग एक्सएलआरआइ का सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में एक है। हमारे पूर्व छात्र एक्सएल कल्चर के वाहक हैं। साथ ही वर्तमान व भविष्य के छात्रों के लिए ये एक रोल मॉडल हैं। एनुअल होमकमिंग में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किए गए जितेंद्र सिंह के नाम शिक्षाविद व एचआर लीडर के रूप में कई उपलब्धियां दर्ज हैं।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 3 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआइ के दिल्ली-एनसीआर कैंपस का पहला सत्र 2020 से

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ का दिल्ली-एनसीआर कैंपस बनकर तैयार हो चुका है। यहां अकादमिक सत्र 2020- 2022 के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यानी 2020 से एक्सएलआरआइ के दिल्ली-एनसीआर कैंपस में पहले बैच की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। संस्थान से मिली जानकारी के अनुसार पहले चरण में कुल दो सेक्शन में पढ़ाई शुरू होगी। फिलहाल पहला बैच बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम पाठयक्रम के लिए 2020-2022 का होगा।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE:13 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

एनुअल होमकमिंग 14 से, 11 श्रेणियों में दिए जाएंगे एलुमिनस अवार्ड

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्रों के सबसे बड़े आयोजन एनुअल होमकमिंग 2019 का आयोजन आगामी 14 दिसंबर से किया जाएगा। दो दिवसीय इस आयोजन के लिए पूर्व छात्रों की जुटान 13 दिसंबर की शाम से ही शुरू हो जाएगी। वहीं एलुमिनस अवार्ड का आयोजन 14 दिसंबर को किया जाएगा। एक्सएलआरआइ के एनुअल होमकमिंग 2019 में ढाई सौ से अधिक पूर्व छात्रों की जुटान होगी। 14 को सुबह 9.15 बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। पूर्ववर्ती छात्रों के लिए स्वागत संबोधन एक्सएलआरआइ एलुमनी एसोसिएशन के चेयरमैन राणा सिन्हा करेंगे। इसके बाद संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी का प्रेजेंटेशन होगा। दूसरी पाली में विभिन्न विषयों पर पैनल डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा। एलमुनी अवार्ड सेरेमनी के बाद शाम को एक्सएल बैंड की प्रस्तुति होगी।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE:26 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

फ्लावर शो के अंतिम दिन उमड़ी भीड़, एक्सएलआरआइ लगातार दूसरे साल बना ओवरऑल चैंपियन

फूलों से खिली लौहनगरी, 35 हजार लोगों ने किया दीदार

बुधवार को बिष्टुपुर गोपाल मैदान में फ्लावर शो में सम्मान पाने वाले लोग • जागरण

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : देश-विदेश से आए रंग-बिरंगे फूलों से बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान खिल रहा था। फ्लावर शो के अंतिम दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने परिवार समेत जहां फूलों की महक से खुद को महकाया, वहीं कई प्रकार के व्यंजनों का भी स्वाद चखा।

क्रिसमस की छुट्टी होने की वजह से बुधवार की सुबह से ही लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर शाम तक चला। यहां लोग पूरी तरह से छुट्टी की मस्ती डूबे रहे। कोई सेल्फी लेने में मशगूल था तो कोई फूलों की प्रजातियों व उनकी देखभाल आदि के बारे में जानकारी हासिल करने में व्यस्त था। जमशेदपुर हॉर्टिकल्चर सोसाइटी द्वारा आयोजित चार दिवसीय 31वें फ्लावर शो में करीब 35 हजार लोगों ने दीदार किया। कार्यक्रम के समापन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला उपस्थित थे। उन्होंने फ्लावर शो की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राकृतिक से प्रेम तथा जुड़ाव हर किसी को होनी चाहिए। धरती को हरे-भरे तथा सुरक्षित रखने के लिए हम सभी को आगे आने चाहिए। फूल-पौधे हम सभी के जीवन में खुशियां तथा तनाव को दूर करने का काम करते हैं। इस अवसर पर जमशेदपुर हॉर्टिकल्चर सोसाइटी के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार श्रीवास्तव, महासचिव अनिल कुमार जयसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

फ्लावर शो के बाद आयोजित सम्मान समारोह में शामिल लोग

फ्लावर शो के समापन अवसर पर सेल्फी लेती युवती • जागरण

'हरियाली से दोस्ती-प्रदूषण से मुक्ति' के बारे में लोगों ने समझा

'हरियाली से दोस्ती प्रदूषण से मुक्ति' की थीम पर गोपाल मैदान में फूलों की बगिया सजाई गई थी। समापन समारोह में ओवरऑल चैंपियनशिप (संस्थान) श्रेणी में लगातार दूसरे साल एक्सएलआरआइ जबकि शौकिया श्रेणी में प्रमोद सिंह विजेता बने। इसके साथ ही गुलदाउदी, डहलिया, पॉटेट प्लांट, बोनसाई, पॉटेट फ्रूट एंड वेजीटेबल, रोज, मौसमी, कट फ्लावर श्रेणी सहित बेहतर डिस्प्ले के लिए शौकिया और संस्थान श्रेणी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। फ्लावर शो में कुल 51 व्यक्तिगत तथा 22 संस्थान के लोगों ने भाग लिया। प्रतियोगिता विभिन्न श्रेणियों में आयोजित की गई थी। इसमें व्यक्तिगत तथा संस्थान दो भागों में बांटा गया था।

फ्लावर शो के ये बने विजेता

- गुलदाउदी : शौकिया-साइजर। संस्थान-विग इंगलिश स्कूल।
- डहलिया : शौकिया-साइजर। संस्थान-एक्सएलआरआइ।
- पॉटेट प्लांट : शौकिया-प्रमोद सिंह। संस्थान-एक्सएलआरआइ।
- बोनसाई : शौकिया-भोवेश मंडल। संस्थान-मैसर्स बोना स्टोर।
- पॉटेट फ्रूट एंड वेजीटेबल : शौकिया-साइजर। संस्थान-टीआरएल।
- गुलाब : शौकिया-प्रमोद सिंह। संस्थान-गंगा रेजेंसी।
- मौसमी फूल : शौकिया-प्रमोद सिंह। संस्थान-एक्सएलआरआइ।
- कट फ्लावर : शौकिया-चंदन दलाल। संस्थान-एक्सएलआरआइ।
- बेस्ट डिस्प्ले : शौकिया-विनय आहूजा। संस्थान-उत्कल ऑटो मोबाइल। आउट स्टेशन संस्थान-टाटा स्टील कलिंगानगर।
- बेस्ट डिस्प्ले (नर्सरी स्टॉल) : पांडा नर्सरी।
- किंग ऑफ द शो (संस्थान) लेडिस च्वाइस : विग इंगलिश स्कूल।
- किंग ऑफ द शो (संस्थान) डायमंड जुबिली : विग इंगलिश स्कूल।
- किंग ऑफ द शो (शौकिया) एरिस्टोक्रैट : साइजर।
- क्वीन ऑफ द शो (शौकिया) सीजन्स लेस : निरंजन महतो।

फ्लावर शो के बुधवार को समापन समारोह के दौरान मस्ती करते बच्चे • जागरण

PUBLICATION: Deccan Herald
DATE: 5 December 2019
EDITION: Bangalore
PAGE:17

Business management programme

Xavier School of Management announces Business Management programme at its Delhi-NCR Campus. The last date to apply for the test is December 10. For more details, log on to www.xlri.ac.in.

PUBLICATION: Hindustan

DATE: 15 December 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 4

होमकमिंग 2019 : एक्सएलआरआई में पूर्व छात्रों को किया गया पुरस्कृत, बोले फादर पी क्रिस्टी एसजे

भावी मैनेजरों के लिए रोल मॉडल हैं पूर्व छात्र

जमशेदपुर | संवाददाता

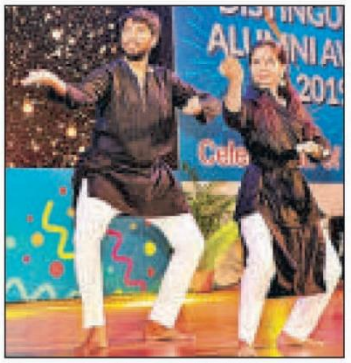

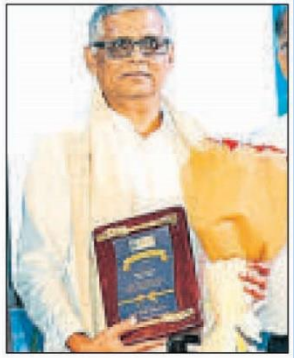

एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में एलुमनी अवार्ड समारोह में प्रस्तुति देते छात्र। इस दौरान पूर्व छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

एक्सएलआरआई के पूर्व छात्रों ने संस्थान का परचम पूरे विश्व में लहराया है। सभी ने देश तथा विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में नाम किया है। वे हमारे वर्तमान और भविष्य के छात्रों के लिए सही रोल मॉडल हैं तथा उन्हें अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

ये बातें एक्सएलआरआई के फादर पी क्रिस्टी एसजे ने शनिवार को टाटा ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित एलुमनी अवार्ड समारोह में कहीं। एक्सएलआरआई में पूर्व छात्रों के लिए दो दिवसीय एलुमनी होमकमिंग 2019 समारोह का आयोजन किया जा रहा है। एक्सएलआरआई इस साल 17वां जश्न मना रहा है। कार्यक्रम में एक्सएलआरआई के 250 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। संस्थान की ओर से 9 पूर्व छात्रों को 5 श्रेणियों में विशिष्ट पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में एक्सएलआरआई एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा सिन्हा तथा प्रो. प्रणवेश रे, अध्यक्ष, पूर्व छात्र, एक्सएलआरआई उपस्थित थे। 1979 तथा 1969 बैच के छात्रों ने हिस्सा लिया। साथ ही सभी छात्र एक दूसरे के साथ गेट टुगेदर किया। इसके अलावा कुछ छात्र 1971 के बैच के भी शामिल थे।

ये हुए पुरस्कृत : संस्थान की ओर से 5 श्रेणियों में 9 पूर्व छात्रों को विशिष्ट छात्र पुरस्कार दिया गया। इनमें जितेंद्र सिंह, प्रोफेसर एमेरिटस (एक्सएलआरआर जमशेदपुर, पीएमआईआर-1971 को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। वहीं, कृष्ण शंकर, ग्रुप हेड - एचआरडी इंफोसिस (पीएमआईआर-1984) तथा प्रतीक कुमार, सीनियर लीडरशिप टीम के सदस्य, विप्रो (पीएमआईआर- 1988), जूधजीत दास, मुख्य मानव संसाधन, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल (पीएमआईआर- 1995), रामकृष्णन राममूर्ति मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड (बीएम-1982) को प्रैक्टिसिंग मैनेजर का पुरस्कार दिया गया। अर्जित विश्वास पटकथा लेखक (पीएमआईआर - 1991) को संबद्ध क्षेत्र का पुरस्कार मिला। धवल शाह, संस्थापक, फेम ईजी को (एचआरएम 2014) को उद्यमी पुरस्कार मिला। डॉ. आनंद नरसिम्हन, डीन (संकाय और अनुसंधान), आईएमडी (पीएमआईआर-1991 तथा डॉ. मदन पिल्लुटला, संकाय, लंदन बिजनेस स्कूल, (पीएमआईआर-1991 को शिक्षाविद् के लिए पुरस्कार दिया गया।

PUBLICATION:Hindustan
DATE:26 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

प्रकृति से सभी को प्रेम और जुड़ाव होना चाहिए : उपायुक्त

जमशेदपुर | संवाददाता

फ्लावर शो अपने आप में काफी बड़ा आयोजन है। प्रकृति से प्रेम तथा जुड़ाव सभी लोगों को होना चाहिए। धरती को हरा-भरा तथा सुरक्षित रखने के लिए हम सभी को आगे आने चाहिए। फूल-पौधे हम सभी के जीवन में खुशियां लाते हैं और तनाव दूर करते हैं।

यह बातें उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने हार्टिकल्चर सोसाइटी की ओर से आयोजित 31वें वार्षिक फ्लावर शो के समापन समारोह में बुधवार को कहीं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने फ्लॉवर शो में हुई प्रतियोगिताओं के व्यक्तिगत और संस्थानों के विजेताओं को पुरस्कृत किया। गुलदाउदी की व्यक्तिगत श्रेणी में सेजर तथा संस्थान में विग इंग्लिश स्कूल को पुरस्कार दिया गया। वहीं डहलिया फूल की श्रेणी में व्यक्तिगत सेजर तथा

फ्लावर शो का समापन

- ओवरऑल चैंपियन प्रमोद सिंह और एक्सआलआरआई बने
- 51 व्यक्तिगत तथा 22 संस्थानों ने लिया फ्लावर शो में हिस्सा

संस्थान एक्सएलआरआई, पॉटेड प्लांट्स श्रेणी में व्यक्तिगत प्रमोद सिंह तथा संस्थान के लिए एक्सएलआरआई, बोनसाई श्रेणी में व्यक्तिगत भावेश मंडल तथा संस्थान में बोरना स्टोर्स, पॉटेड फ्रूट्स तथा वेजेटेबल श्रेणी में व्यक्तिगत सेजर तथा संस्थान टीआरएफ, गुलाब फूल की श्रेणी में व्यक्तिगत प्रमोद सिंह तथा संस्थान होटल गंगा रीजेंसी, सीजनल्स श्रेणी में व्यक्तिगत प्रमोद सिंह तथा संस्थान एक्सएलआरआई, कट फ्लावर श्रेणी में व्यक्तिगत चंदन दलाल तथा

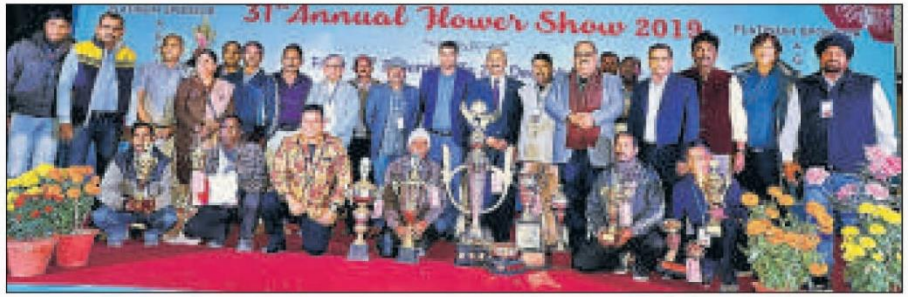

फ्लावर शो के समापन समारोह में बुधवार को गोपाल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागी अतिथियों के साथ। ● हिन्दुस्तान

संस्थान एक्सएलआरआई, बेस्ट डिस्प्ले श्रेणी में व्यक्तिगत विनय आहूजा, संस्थान उत्कल ऑटोमोबाइल, वहीं इस श्रेणी के लिए बाहर के संस्थान टाटा स्टील कलिंगानगर को पुरस्कार दिया दिया। बेस्ट डिस्प्ले नर्सरी श्रेणी में पंडा नर्सरी को पुरस्कार दिया गया। किंग ऑफ द शो, संस्थान के लिए (महिलाओं की पसंद में तथा डाइमंड जुबली श्रेणी में) विग इंग्लिश स्कूल को पुरस्कार दिया गया। क्वीन ऑफ द शो, व्यक्तिगत (ऐरिस्टोकेट श्रेणी में सीजर तथा सिटॉन्स लेश श्रेणी में निरंजन महतो को पुरस्कार दिया गया। ओवरऑल चैंपियन में व्यक्तिगत प्रमोद सिंह तथा संस्थान में एक्सआलआरआई को पुरस्कार दिया गया। उपायुक्त ने फैक्लटी को भी पुरस्कृत किया। इनमें दिल्ली से आये इफ्को के असिस्टेंट मैनेजर रवि रतन समेत एसबी मंडल, धनंजय चौबे तथा शंकर शरखेल शामिल थे। फ्लावर शो में 51 व्यक्तिगत तथा 22 संस्थान ने हिस्सा लिया था।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 16 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआर के पूर्व छात्रों ने खेल में बहाया पसीना

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई में चल रहे दो दिवसीय एलुमनी होमकमिंग 2019 समारोह के दूसरे दिन रविवार को पूर्व छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने गोल्फ, क्रिकेट, बास्केटबॉल में जमकर पसीना बहाया। साथ ही कुछ छात्रों ने कैरम बोर्ड का आनंद लिया। इस अवसर पर पूर्व छात्र एक दूसरे के साथ खेल में हिस्सा लेकर वर्षों पुरानी यादें ताजा करते रहे। इस दौरान नए छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों का बखूबी साथ निभाया। इस अवसर पर सभी पूर्व छात्रों ने वर्तमान के नए छात्रों के साथ फोटो भी खिंचवाए।

PUBLICATION:Inext
DATE:13 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ में होमकमिंग 14 से

JAMSHEDPUR (12 Dec, JNN) : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) के पूर्व छात्रों के सबसे बड़े आयोजन एनुअल होमकमिंग 2019 का आयोजन आगामी 14 दिसंबर से किया जाएगा. दो दिवसीय इस आयोजन के लिए पूर्व छात्रों की जुटान 13 दिसंबर की शाम से ही शुरू हो जाएगी. वहीं एलुमिनस अवार्ड का आयोजन 14 दिसंबर को किया जाएगा.

11 श्रेणियों में दिए जाएंगे एलुमिनस अवार्ड

ढाई सौ से अधिक पूर्व छात्र जुटेंगे

एक्सएलआरआइ के एनुअल होमकमिंग 2019 में ढाई सौ से अधिक पूर्व छात्रों की जुटान होगी. 14 को सुबह 9.15 बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा. पूर्ववर्ती छात्रों के लिए स्वागत संबोधन एक्सएलआरआइ एलुमनी एसोसिएशन के चेयरमैन राणा सिन्हा करेंगे. इसके बाद संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी का प्रेजेंटेशन होगा. दूसरी पाली में विभिन्न विषयों पर पैनल डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा. एलमुनी अवार्ड सेरेमनी के बाद शाम को एक्सएल बैंड की प्रस्तुति होगी. वहीं दूसरे दिन गोल्फ प्रतियोगिता, क्रिकेट प्रतियोगिता के रोमांच का मजा पूववर्ती छात्र लेंगे. शाम को एक गेट टूगेदर होगा जिसमें पूर्व छात्र एक-दूसरे के साथ मिलकर संस्थान में बिताए गए दिनों की यादें साझा करेंगे.

कुल दस श्रेणियों में अवार्ड

पहले दिन का मुख्य आकर्षण एलुमनी अवार्ड सेरेमनी होगी. इस बार कुल दस श्रेणियों में एलुमनी अवार्ड दिए जाएंगे. इनमें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, प्रैक्टिसिंग मैनेजर अवार्ड, एकेडमिशियन अवार्ड, यंग अचीवर अवार्ड, एंटरप्रेन्योर अवार्ड व अलाइड फील्ड अवार्ड शामिल हैं.

PUBLICATION:Inext
DATE:26 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

लंबे समय तक जेहन में रहेगी फूलों की खुशबू

फ्लावर शो के अंतिम दिन उमड़ी भीड़, एक्सएलआरआइ लगातार दूसरे साल बना ओवरऑल चैंपियन

JAMSHEDPUR (25 Dec, JNN) : देश-विदेश से आए रंग-बिरंगे फूलों से बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान खिल रहा था. फ्लावर शो के अंतिम दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचे. लोगों ने परिवार समेत जहां फूलों की महक से खुद को महकाया, वहीं कई प्रकार के व्यंजनों का भी स्वाद चखा.

क्रिसमस की छुट्टी होने की वजह से बुधवार की सुबह से ही लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर शाम तक चला. यहां लोग पूरी तरह से छुट्टी की मस्ती डूबे रहे. कोई सेल्फी लेने में मशगूल था तो कोई फूलों की प्रजातियों व उनकी देखभाल आदि के बारे में जानकारी हासिल करने में व्यस्त था. जमशेदपुर हॉर्टिकल्चर सोसाइटी द्वारा आयोजित 31वें फ्लावर शो में करीब 35 हजार लोगों ने दीदार किया.

डीसी ने की प्रशंसा

कार्यक्रम के समापन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला उपस्थित थे. उन्होंने फ्लावर शो की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राकृतिक से प्रेम तथा जुड़ाव हर किसी को होनी चाहिए. धरती को हरे-भरे तथा सुरक्षित रखने के लिए हम सभी को आगे आने चाहिए.

फ्लावर शो के विनर्स को डीसी ने सम्मानित किया.

सजी थी फूलों की बगिया

'हरियाली से दोस्ती प्रदूषण से मुक्ति' की थीम पर गोपाल मैदान में फूलों की बगिया सजाई गई थी. समापन समारोह में ओवरऑल चैंपियनशिप (संस्थान) श्रेणी में लगातार दूसरे साल एक्सएलआरआइ जबकि शौकिया श्रेणी में प्रमोद सिंह विजेता बने. इसके साथ ही गुलदाउदी, डहलिया, पॉटेट प्लांट, बोनसाई, पॉटेट फ्रूट एंड वेजिटेबल, रोज, मौसमी, कट फ्लावर श्रेणी सहित बेहतर डिस्प्ले के लिए शौकिया और संस्थान श्रेणी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. फ्लावर शो में कुल 51 व्यक्तिगत तथा 22 संस्थान के लोगों ने भाग लिया.

फूलों की बगिया में उमड़ी लोगों की भीड़.

फ्लावर शो में खूब हुई खरीदारी.

ये रहे विनर्स

- गुलदाउदी : शौकिया-साइजर, संस्थान-बिग इंगलिश स्कूल.
- डहलिया : शौकिया-साइजर, संस्थान-एक्सएलआरआइ.
- पॉटेट प्लांट : शौकिया-प्रमोद सिंह. संस्थान-एक्सएलआरआइ.
- बोनसाई : शौकिया-भोवेश मंडल, संस्थान-मेसर्स बोर्ना स्टोर.
- पॉटेट फ्रूट एंड वेजीटेबल : शौकिया-साइजर, संस्थान-टीआरएफ.
- गुलाब : शौकिया-प्रमोद सिंह, संस्थान-गंगा रेजेंसी.
- मौसमी फूल : शौकिया-प्रमोद सिंह, संस्थान-एक्सएलआरआइ.
- कट फ्लावर : शौकिया-चंदन दलाल, संस्थान-एक्सएलआरआइ.
- बेस्ट डिस्प्ले : शौकिया-विनय आहूजा, संस्थान-उत्कल ऑटो मोबाइल, आउट स्टेशन संस्थान-टाटा स्टील कलिंगानगर.
- बेस्ट डिस्प्ले (नर्सरी स्टॉल) : पांडा नर्सरी.
- किंग ऑफ द शो (संस्थान) लेडिस च्वाइस : बिग इंगलिश स्कूल.
- किंग ऑफ द शो (संस्थान) डायमंड जुबिली : बिग इंगलिश स्कूल.
- किंग ऑफ द शो (शौकिया) एरिस्टोक्रैट : साइजर.
- क्वीन ऑफ द शो (शौकिया) सीजन्स लेस : निरंजन महतो.

PUBLICATION:Khabar Mantra
DATE:13 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:4

एक्सएलआरआई : पूर्ववर्ती छात्रों का जमावड़ा कल से

जमशेदपुर। जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट-एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्रों के सबसे बड़े आयोजन एनुअल होमकमिंग 2019 का आयोजन आगामी 14 दिसंबर से किया जाएगा। दो दिवसीय इस आयोजन के लिए पूर्व छात्रों की जुटान 13 दिसंबर की शाम से ही शुरू हो जाएगी। वहीं एलुमिनस अवार्ड का आयोजन 14 दिसंबर से संस्थान मे किया जाएगा। एक्सएलआरआइ के एनुअल होमकमिंग 2019 में ढाई सौ से अधिक पूर्व छात्रों की जुटान होगी। 14 को सुबह 9.15 बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। स्वागत संबोधन एक्सएलआरआइ एलुमनी एसोसिएशन के चेयरमैन राणा सिन्हा करेंगे।

PUBLICATION:Khabar Mantra
DATE: 15 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

होम कमिंग 2019 के बहाने एक्सएलआरआई में पूर्ववर्ती छात्रों का जुटान

➲ डॉ जितेंद्र सिंह को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, कई अन्य सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई (ज़ेवियर स्कूल आफ मैनेजमेंट) ने आज अपने पूर्ववर्ती छात्रों के एजुअल इवेंट होम कमिंग 2019 शनिवार को शुरु हुआ। 250 से अधिक पूर्ववर्ती छात्र-छात्राएं यहां जूट कर अपनी पुरानी यादें ताजी कर रहे हैं बल्कि अपने पुराने मित्रों से मिल कर खुशी का अनुभव कर रहे हैं। इनमें से कई ने कैंपस को घुमा और एक्सएलआरआई में हुए विस्तार एवं विकास को सराहा और गर्व किया। होम कमिंग में आये पूर्ववर्ती छात्रों में कई दुनिया की नामी कंपनियों को नेतृत्व दे रहे

मिलन समारोह का उद्घाटन करते बायें से डॉ प्रणवेश राय, फादर क्रिस्टी और साथ में रणवीर सिन्हा।

एक पूर्ववर्ती छात्र को सम्मानित करते फादर क्रिस्टी।

हैं और उनके नीति-निर्धारण में सीधे योगदान दे रहे हैं तो कई ने उद्यमिता के क्षेत्र में तो कई ने बिजनेस एजूकेशन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है।

एनुअल एलुमनाई होमकमिंग 2019 'का दो दिवसीय उत्सव 14 -15 दिसंबर, 2019 को आयोजित किया जा रहा है। इस साल 17 वें वर्ष के लिए वार्षिक घर वापसी का जश्न मना रहा है। इस वर्ष जमशेदपुर के कैंपस में आयोजित 250 से अधिक पूर्व छात्रों ने घर वापसी में भाग लिया। वार्षिक एलुमनी होमकमिंग, विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह 'का मुख्य आकर्षण आज टाटा आडिटोरियम में आयोजित किया गया। फादर पी क्रिस्टी एसजे, निदेशक, एक्सएलआरआई; एक्सएलआरआई एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा सिन्हा और प्रो प्रणबेश रे, अध्यक्ष, पूर्व छात्र, एक्सएलआरआई भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस वर्ष के घर वापसी ने 1979 और 1969 के बैचों के पुनर्मिलन को देखा और क्रमशः अपने 40 वें और 50 वें घर वापसी वर्ष का जश्न मनाते हैं। 1971 के बैच के कई पूर्व छात्रों ने भी इस समारोह में भाग लिया। वार्षिक पूर्व छात्र घर वापसी पर टिप्पणी करते हुए, एक्सएलआरआई के निदेशक पी क्रिस्टी एसजे ने कहा, वार्षिक घर वापसी के लिए सबसे प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है।

फ्लावर शो में एक्सएलआरआई व प्रमोद बने ओरवऑल चैंपियन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। हॉर्टिकल्चरल सोसायटी की ओर से आयोजित चार दिवसीय फ्लावर शो का बुधवार की शाम समापन हुआ। गोपाल मैदान में आयोजित फ्लावर शो में आमेचर्स में प्रमोद सिंह व इंस्टीट्यूशन में एक्सएलआरआई ओवरऑल चैंपियनशिप बने। उपायुक्त रविकांत शुक्ला ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। हॉर्टिकल्चरल सोसायटी की ओर से गोपाल मैदान में चल रहे चार दिवसीय फ्लावर शो में लोगों की काफी भीड़ उमड़ी। अलग-अलग कैटेगरी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। आमेचर्स में ओवरऑल चैंपियनशिप प्रमोद सिंह व इंस्टीट्यूशन में एक्सएलआरआई ओवरऑल चैंपियनशिप बने। आमेचर्स में साइजर एरिस्टोकेट वेरायजी के किंग ऑफ शो बने जबकि सीटऑनलेक में निरंजन महतो क्वीन

ऑफ शो बने। उसी तरह इंस्टीट्यूशन में विग इंगलिश स्कूल व इसी स्कूल के लेडीज च्वाइश में किंग ऑफ शो२ व क्वीन ऑफ शो बने। बेस्ट डिस्प्ले एक्जीविशन व बेस्ट डिस्प्ये नर्सरी स्टॉल पांडा नर्सरी बना. आमेचर्स में बेस्ट डिस्प्ले एक्जीविशन में विनय अहूजा, इंस्टीट्यूशन में बेस्ट डिस्प्ले उत्कल ऑटो मोबाइल व इंस्टीट्यूशन आउट स्टेशन में टाटा स्टील कलिंगानगर

PUBLICATION: Mail Today

DATE: 17 December 2019

EDITION:New Delhi

PAGE:22,23

XLRI campus to come up near Delhi

By **Smitha Verma**

The oldest business school in the country is going to have a campus in Delhi-NCR. In an interview Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI-Xavier School of Management, talks about his vision for the new campus

■ Why did you decide to start a campus in Delhi-NCR?

Being the oldest business school (XLRI, Jamshedpur was India's first business school, founded in 1949.) we were very keen to branch out for a long time now. Since 2012, we have been working towards getting a campus near the Capital and now finally the sessions will start from the next year. Also, Delhi is the nerve-centre for many businesses. XLRI's Delhi-NCR campus is located in Jhajjar, around 25 kms from Gurugram. The AICTE approval for the new campus is awaited in 2020.

■ What will be the admission procedure for this new campus?

The admission process will remain the same as XLRI, Jamshedpur. Students will have to appear for XAT 2020. In the first phase, two sections of 60 students each for the Business Management programme (2020-22 batch) will be granted admission. Senior faculty from the Jamshedpur campus will be conducting classes in the new campus. There will also be short-term management programmes in this campus.

■ Will there be any collaboration with other institutions?

We are collaborating for some national-level programmes. The talks are on but till the time a MoU is signed, we can't divulge details.

■ Do we need more management institutions considering so many business schools shut shop in the last few years?

Fr. P. Christie, Director

Unfortunately the last decade saw the exponential growth of B-schools due to the commercialisation of education. Unless we constantly update our curriculum to meet the current needs of the industry, management programmes will become obsolete. Many a times, bureaucracy comes in the way of curriculum. This leads to a scenario where we aren't producing people with competency. So we need institutions of repute to bring out industry-relevant curriculum.

■ How do you bridge the industry-academia gap at XLRI?

With the economic development, we need business leaders. We are working on restricting our curriculum to meet the current demands of the industry. Unless we re-skill ourselves, we won't succeed. There is a need for learning to learn. If you continue to learn you will succeed.

PUBLICATION: Mail Today
DATE: 3 December 2019
EDITION: New Delhi
PAGE: 22

XLRI HOLDS THIRD NATIONAL SUMMIT

FORUM for Industrial Relations at the XLRI-Xavier School of Management Jamshedpur recently hosted the National IR Summit. When XLRI was founded in 1949, one of the objectives was to shape an institute that approached labour issues with sensitivity and with a wholesome view across the negotiation table that many corporate managers distinctively lacked. The National IR Summit was an extension of that same vision, with this year's theme - "Changing Landscape of Labour Workforce" having placed special emphasis on gig workers, independent contractors and contract workers.

PUBLICATION:Mint
DATE:13 December 2019
EDITION: All Edition
PAGE:11

In pursuit of neither economic efficiency nor labour welfare

K.R.Shyam Sundar
feedback@livemint.com

The Industrial Relations Code, 2019, is a radically revised version of the original draft of 2015 in many ways, due to the strident protests of the unusually united trade union movement with respect to clauses relating to outside leaders, recognition of trade union(s), union leadership freedom, easier firing and closure, among others.

Unfortunately, the government has not done a good job as the code has many, and even, serious deficits. It is particularly striking that as it went about legitimizing the codification of labour laws by citing the recommendation of the Second National Commission on Labour (SNCL), it has not referred to some of the good recommendations made by it. For example, SNCL had recommended to exempt the unorganized sector from the tough eligibility clauses (10% or 100 workers) to form a union. This is missing in the code. It has set 75% or more membership in a bargaining unit, a stupendously high benchmark, for a trade union to be declared as a sole bargaining agent. Hence, it reveals the complete absence of connect of the lawmakers with the empirical realities of industrial relations.

The bill provides for a single adjudicating body, a tribunal with either one or two members. The code is not clear as to when and how the single- or two-member body will be determined. In the case of the two-member bench, the award should be unanimously determined and, in case it's not possible, then the point(s) of differences will be sent to the government and the latter will nominate a judicial member from another tribunal to join the existing two and the three will resolve the differences by a majority.

Now, an illegal strike and lockout is far more socially harmful than an illegal closure

This is completely befuddling as the government is playing with the time of the disputants by laying down a layered procedure, which will surely cause delays in the delivery of justice. If the government wished to enrich the deliberations of the tribunal, it could have straightaway constituted a three-member body and provided for majority resolution instead of this circuitous process. The lawmakers should by now know that delays are costly for the employers and constitute a woeful tale for the hapless workers.

Though the bill has retained the existing provision related to the employee threshold at 100 when going for retrenchment or closure of a unit, it has protected those states that have changed the threshold from 100 to 300. It also empowers states to change the threshold through an executive order.

The mode of reform stipulated is far more serious and even harmful for democratic processes of lawmaking than the very reform act of affording flexibility to employers. Because it has removed lawmaking from the bounds of the legislature to the executive, who can even whimsically destroy thousands of jobs and provide freedom to close hundreds of establishments. If the legislature is removed, then where is the space for social dialogue, which at any rate has been relegated to the sidelines at the national level and is weak, if not absent at the state level.

It has introduced some absurd notions of first offence and compounding offences, and designed penalties without application of mind. According to the proposed structure of the penal system, an illegal strike and lockout is far more socially harmful than an illegal retrenchment and closure. While for the illegal strike workers will potentially land in jail, employers violating rules will face relaxed indictment.

In short, the code is incomplete, inadequate and designed with warped logic. It seems to reflect lack of sensitivity on the part of the lawmakers as these laws can hurt both economic efficiency and labour welfare.

K.R.Shyam Sundar is a labour economist and professor at XLRI, Jamshedpur.

PUBLICATION:Pioneer
DATE:3 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:2

XLRI to start its Delhi-NCR campus from June 2020

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI - Xavier School of Management has decided to start the Delhi-NCR Campus for the academic Session 2020-2022. In the first phase, two sections of 60 students each for the Business Management programme(2020-22 batch) will be granted addmission. XLRI will be shortly applying for AICTE approval.

The registration for Xavier Admission Test (XAT-2020) has been extended till 10 December and as a special gesture late registration fees have been waived off this year.

The new state-of-the-art campus spread over an area of 36.34 acres is getting ready with infrastructure required for 240 students in the first phase. The new campus has earned a Gold-level Green Building Certification.

XLRI's new campus in New Delhi will have the same pedagogy and curriculum as XLRI - Xavier School of Management, Jamshedpur and the faculty from the main campus will also be taking classes at the new campus. Students who get through XAT will be able to get the admission to XLRI's Delhi-NCR campus. The choice will have to be made while applying for XAT-2020 Entrance Test.

The foundation stone for the Jhajjar campus in Delhi-NCR was laid on 16 January 2017. Om Prakash Dhankar, cabinet minister, Government of Haryana unveiled the plaque of the foundation and Rev. Anil Couto, Archbishop of Delhi, blessed the foundation stone.

XLRI's Delhi-NCR campus is located in Jhajjar District, at Naurangpur which is 25 kms. from Gurugram and is centrally connected to the main districts like Delhi, Gurgaon and Rewari.

While announcing the admission for the first batch of Delhi-NCR campus Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI-Xavier School of Management said " XLRI is India's First B-School and for seventy years we had just one campus at Jamshedpur. With India slated to become the fifth-largest economy in the world in the near future, there is a concomitant need for more business leaders. XLRI took a strategic decision to expand its footprint across the country and set up new campuses in the North, West and Southern parts of India. We are glad to announce that XLRI's Delhi-NCR campus is all set to start with 120 students for Business Management programme from 2020 academic session after the AICTE approval process is completed."

PUBLICATION:Pioneer
DATE:9 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:2

XLRI to host Homecoming from Dec 14

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management is all set to host 'Annual Alumni Homecoming 2019' on 14 and 15 December. Over 250 college alumni are expected to participate in this year's Homecoming.

This year, the batches of 1979 and 1969 will join for their 40th and 50th Homecoming year celebrations respectively. Many alumni of Batch of 1971 will also be coming for Homecoming year celebrations this year.

Fr. P. Christie SJ, Director, XLRI - Xavier School of Management commented, "The Annual Homecoming is one of the most prestigious and important events for XLRI. Our alumni are the torch-bearers of the XL-Culture and have taken the vision and mission of XLRI to the world. They are the true role models for our present and future students and are the ones who truly inspire them to carry forward their legacy. It is a proud moment for us to welcome them back to the campus and felicitate them for their achievements."

On the occasion, XLRI would hold the 'Distinguished Alumnus Awards Ceremony'. This year, 10 select distinguished alumni of the institution would be felicitated in 6 categories. The event is to be held on the evening of 14th December, 2019.

Dr. Pranabesh Ray, Chairperson - Alumni, XLRI - Xavier School of Management said, "Homecoming is the annual XL family get-together that strengthens our XL bond and fosters camaraderie amongst us. It revives the family spirit. Our alumni meet their old acquaintances, classmates and teachers and reminisces memorable experiences they have had at XLRI."

Rana Sinha, President-XLRI Alumni Association commented, "XLRI can claim to have the most active networking of Alumni amongst Indian Business Schools. Every year the alumni chapters have their get-togethers in cities across India and abroad. This year, we celebrated Alumni Summer Meets in different cities like Chennai, Kolkata, Hyderabad, Delhi, Mumbai, Pune, Bengaluru and also in Dubai and Singapore. In earlier years, alumni meets were also held in various cities in USA, Dubai and Toronto. In 2008 we had created the XLRI Endowment Fund (XEF) and today XEF USA is a registered non-profit association".

XLRI Alumni Association has Alumni Chapters both in India and abroad. In India, the XLRI Alumni Chapters are in Bangalore, Delhi, Chennai, Hyderabad, Kolkata, Mumbai, and Pune. XLRI also has Alumni Chapters in Singapore and Dubai. In U.S.A. it has chapters in San Jose (covering Bay Area), Dallas (covering the State of Texas), Washington DC, New Jersey, New York, Boston (covering New England), Chicago (covering mid-west region), as well as in Toronto (Canada).

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 16 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI felicitates alumni with 'Distinguished Alumni Awards'

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management hosted 'Distinguished Alumni Awards Ceremony' to felicitate its illustrious alumni on the occasion of 'Annual Alumni Homecoming 2019'. This year nine distinguished alumni of the institute received the Distinguished Alumnus Awards in five categories.

The two-day long celebration of XLRI's 'Annual Alumni Homecoming 2019' was held on 14th – 15th December. This year, XLRI celebrated the Annual Homecoming for the 17th year. Over 250 XL Alumni participated in this year's Homecoming held at XLRI Campus, Jamshedpur.

The highlight of XLRI Annual Alumni Homecoming, the 'Distinguished Alumnus Awards Ceremony' was hosted today at the Tata Auditorium. Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI; Mr. Rana Sinha, President of the XLRI Alumni Association and Prof. Pranabesh Ray, Chairperson, Alumni, XLRI were also present on the occasion. The Winners in different categories of 'Distinguished Alumnus Awards' 2019:

Distinguished Alumnus Award – (Lifetime Achievement) Jitendra Singh, Professor Emeritus, XLRI, Jamshedpur, (PMIR-1970)

Distinguished Alumnus Award (Practicing Manager) Mr. Krish Shankar, Group Head – HRD Infosys, Pratik Kumar, Member of Senior Leadership Team, Wipro (PMIR- 1988), Judhajit Das, Chief Human Resources, ICICI Prudential (PMIR- 1995), Ramakrishnan Ramamurthy, Chief Executive, Polycab India Ltd (BM- 1982)

Distinguished Alumnus Award (Allied Fields, Arijit Biswas, Script Writer (PMIR - 1991)

Distinguished Alumnus Award Entrepreneur, Dhaval Shah, Founder, Pharm Easy. (HRM- 2014), Distinguished Alumnus Award – (Academician) Dr. Anand Narasimhan, Dean (Faculty & Research), IMD (PMIR-1991), Dr. Madan Pillutla, Faculty, London Business School, (PMIR-1991)

This year's Homecoming saw reunion of the batches of 1979 and 1969 celebrate their 40th and 50th homecoming year respectively. Many alumni of Batch of 1971 also participated in this celebrations.

Commenting on the Annual Alumni Homecoming, Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI said, "The Annual Homecoming is one of the most prestigious and important events for XLRI. Our alumni are the torch-bearers of the XL-Culture and have taken the vision and mission of XLRI to the world. They are the true role models for our present and future students and are the ones who truly inspire them to carry forward their legacy. It is a proud moment for us to welcome them back to the campus and felicitate them for their achievements."

Rana Sinha, President, XLRI Alumni Association said, "XLRI can claim to have the most active networking of Alumni amongst Indian Business Schools. Every year the alumni chapters have their get-togethers in cities across India and abroad. This year, we celebrated Alumni Summer Meets in different cities like Chennai, Kolkata, Hyderabad, Delhi, Mumbai, Pune, Bengaluru and also in Dubai and Singapore. In earlier years, alumni meets were also held in various cities in USA, Dubai and Toronto. In 2008 we had created the XLRI Endowment Fund (XEF) and today XEF USA is a registered non-profit association".

Prof. Pranabesh Ray, Chairperson - Alumni, XLRI commented, "Homecoming is the annual XL family get-together that strengthens our XL bond and fosters camaraderie amongst us. It revives the family spirit. Our alumni meet their old acquaintances, classmates and teachers and reminisces memorable experiences they have had at XLRI."

XLRI Alumni Association has Alumni Chapters both in India and abroad. In India, the XLRI Alumni Chapters are in Bangalore, Delhi, Chennai, Hyderabad, Kolkata, Mumbai, and Pune. XLRI also has Alumni Chapters in Singapore and Dubai. In U.S.A. it has chapters in San Jose (covering Bay Area), Dallas (covering the State of Texas), Washington DC, New Jersey, New York, Boston (covering New England), Chicago (covering mid-west region), as well as in Toronto (Canada).

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:3 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

इस सत्र से दिल्ली एक्सएलआरआइ कैंपस में ले सकेंगे एडमिशन

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ के दिल्ली कैंपस में सत्र 2020-2022 के लिए एडमिशन प्रक्रिया इसी सत्र से शुरू हो जायेगी. एक्सएलआरआइ की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस सत्र में बिजनेस मैनेजमेंट की 60 सीटों के लिए एडमिशन हो सकेगा. इसके लिए एआइसीटीइ से अप्रूवल लिया जा रहा है. एक्सएलआरआइ समेत 150 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन के लिए होने वाले जैट के रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ा दी गयी है. परीक्षार्थी अब 10 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे. बताया गया कि दिल्ली कैंपस को कुल 36.34 एकड़ में बनाया गया है. इसे गोल्ड लेवल ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेट भी मिल चुका है.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 6 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

होमकमिंग-2019 में 1969, 71 और 79 बैच के विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

50 साल के बाद एक्सएलआरआइ आयेंगे पूर्ववर्ती विद्यार्थी

लाइफ रिपोर्टर@ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ जमशेदपुर के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों (एल्युमनी) का सालाना फेस्ट होमकमिंग-2019 का आयोजन 14 और 15 दिसंबर को संस्थान परिसर में होगा. इस साल 1979 और 1969 के साथ ही 1971 बैच के विद्यार्थी भी इस प्रोग्राम में भाग ले रहे हैं. इसे लेकर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि एक्सएलआरआइ के कैलेंडर में होमकमिंग महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है. जिसमें सभी पूर्ववर्ती विद्यार्थी न सिर्फ अपने इंस्टीट्यूट वापस आते हैं बल्कि वे अपने छात्र जीवन की यादों को भी ताजा करते हैं. साथ ही उनसे वर्तमान विद्यार्थियों को भी काफी कुछ सीखने को मिलता है. उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती छात्र ब्रांड अंबेसेडर हैं. उन्होंने बताया कि एक्सएलआरआइ से पढ़कर निकले विद्यार्थी सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं. वे कई शीर्ष पदों पर हैं. इस बार होमकमिंग प्रोग्राम में छह कैटेगरी में पूर्ववर्ती विद्यार्थियों को डिस्टिंग्यूस एल्युमनस अवॉर्ड दिया जायेगा. जिसमें लाइफ टाइम अचीवमेंट, प्रेक्टिसिंग मैनेजर, एकेडमीशियंस, यंग अचीवर, इंटरप्रेन्योर और एलॉयड सर्विसेज शामिल हैं. संस्थान के चेयरपर्सन (एल्युमनी) प्रोफेसर प्रणवेश रे ने कहा कि होमकमिंग हमारे पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का गेट टु गेदर प्रोग्राम है. 50 साल बाद ये विद्यार्थी यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं. देश के बिजनेस स्कूलों में एक्सएलआरआइ का एल्युमनी नेटवर्किंग सबसे मजबूत और ग्लोबल है. भारत के अलावा विदेशों में भी एक्सएलआरआइ के एल्युमनी चैप्टर हैं, जिनमें अमेरिका, सिंगापुर, दुबई, वाशिंगटन डीसी, न्यू जर्सी, टोरंटो प्रमुख हैं. भारत में बेंगलुरु, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे जैसे शहरों में इसके चैप्टर बने हुए हैं. होमकमिंग के दौरान पूर्ववर्ती विद्यार्थी संस्थान प्रबंधन को अपने स्तर से मदद भी करेंगे.

- **छह कैटेगरी में दिया जायेगा डिस्टिंग्यूस एल्युमनस अवॉर्ड**
- **14 और 15 दिसंबर को आयोजित होगा सालाना कार्यक्रम**

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:13 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

एक्सएलआरआइ के पूर्व विद्यार्थियों का आज होगा मिलन

बंटेंगे अवार्ड, टाटा स्टील के एमडी नरेंद्रन देंगे पार्टी

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ जमशेदपुर के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों (एल्युमनी) का सालाना फेस्ट होमकमिंग-2019 का आयोजन आज हो रहा है. जिसमें संस्थान के करीब 50 साल पुराने विद्यार्थी दुबारा एक्सएलआरआइ लौटेंगे और अपने पुराने दिनों को याद करेंगे. इस बार होमकमिंग में खास तौर पर 1979 और 1969 के विद्यार्थी पहुंच रहे हैं. हालांकि 1971 बैच के भी कुछ विद्यार्थी इसमें विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल हो रहे हैं. सुबह 11.15 बजे एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी सभी पूर्ववर्ती विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे. साथ ही वे बतायेंगे कि एक्सएलआरआइ पूर्व की तुलना में कितना बदला. शुक्रवार की सुबह आयोजित इस कार्यक्रम के बाद पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए भी कई प्रकार के खेल-कूद के साथ ही कई अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है. एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि एक्सएलआरआइ के कैलेंडर में होमकमिंग प्रोग्राम महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है. जिसमें सभी पूर्ववर्ती विद्यार्थी ना सिर्फ अपने इंस्टीट्यूट वापस आते हैं बल्कि वे अपने छात्र जीवन की यादों को भी ताजा करते हैं. उन्होंने बताया कि एक्सएलआरआइ से पढ़कर निकले विद्यार्थी सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में एक्सएलआरआइ का नाम रोशन कर रहे हैं. टाटा ऑडिटोरियम में शाम 5.30 बजे एक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. जिसमें छह कैटेगरी में पूर्ववर्ती विद्यार्थियों डिस्टिंग्यूस एल्युमनस अवॉर्ड दिया जायेगा. इसमें लाइफ टाइम अचीवमेंट, प्रैक्टिसिंग मैनेजर, एकेडमीशियंस, यंग अचीवर, इंटरप्रेन्योर और एलॉयड सर्विसेज शामिल हैं. संस्थान के चेयरपर्सन (एल्युमनी) प्रोफेसर प्रणवेश रे ने कहा कि होमकमिंग हमारे पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का गेट टू गेदर प्रोग्राम है. देश के बिजनेस स्कूलों में एक्सएलआरआइ का एल्युमनी नेटवर्किंग सबसे मजबूत और ग्लोबल है. भारत के अलावा विदेशों में भी एक्सएलआरआइ के एल्युमनी चैप्टर हैं, जिनमें अमेरिका, सिंगापुर, दुबई, वाशिंगटन डीसी, न्यू जर्सी, टोरंटो प्रमुख हैं. भारत में बेंगलुरू, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे जैसे शहरों में इसके चैप्टर बने हुए हैं. शुक्रवार की रात को टाटा स्टील के एमडी सह एक्सएलआरआइ के बोर्ड ऑफ गर्वनर के चेयरमैन टीवी नरेंद्रन की ओर से सभी पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के लिए एक्सएलआरआइ के इंटरनेशनल सेंटर में एक पार्टी रखी गयी है. इसके बाद एक्सएलआरआइ के बोधी ट्री बैंड से जुड़े विद्यार्थी खास तौर पर परफॉर्म करेंगे. शनिवार को होमकमिंग का समापन किया जायेगा.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 15 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 21

एक्सएलआरआइ. पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं का हुआ जुटान

संस्थान ने चुनौतियों से लड़ना सिखाया

संस्थान के प्रोफेसर जितेंद्र सिंह को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

शनिवार को एक्सएलआरआइ में सारा कुछ सामान्य था, लेकिन कैंपस में कई नये चेहरे दिख रहे थे, जो पुरानी यादों को आंखों में लिये कैंपस में घूम रहे थे. मौका था होमकमिंग 2019 का. शनिवार से संस्थान में होमकमिंग 2019 की शुरुआत हुई, जिसमें वर्ष 1969,1979 और 1971 बैच के पूर्व विद्यार्थी जुटे. दोपहर में सभी ने ओल्ड बिल्डिंग जाकर वह स्थान देखा जहां वे अक्सर क्लास किया करते थे, साथ ही उन्होंने इंटरनेशनल बिल्डिंग देख कर प्रसन्नता जताया. इसी दौरान सभी पूर्व विद्यार्थियों ने एक्सएलआरआइ में पढ़नेवाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का भी निर्णय लिया. शनिवार की शाम टाटा ऑडिटोरियम में अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें एल्युमिनाइ एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट राणावीर सिन्हा ने कहा कि यह शाम बेहद खास है. क्योंकि यह एक ऐसा मौका होता है जब संस्थान में पढ़ाई खत्म कर चुके विद्यार्थी अपने कॉलेज वापस लौटते हैं. उन्होंने कहा कि 17 वर्ष पहले इसकी शुरुआत की गयी थी. सम्मान समारोह के दौरान एक्सएलआरआइ के प्रोफेसर सह पीजीडीपीएमआइआर 1970 बैच के पूर्व छात्र प्रोफेसर जितेंद्र सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया.

एल्युमिनाइ एसिसोएशन को बनाया जायेगा और ज्यादा मजबूत : एक्सएलआरआइ के एल्युमिनाइ एसोसिएशन के चेयरपर्सन प्रो प्रणवेश रे ने कहा कि एसोसिएशन को मजबूत बनाने की पहल की जा रही है. पैन वर्ल्ड में इसका विस्तार किया जा रहा है. दुबई, यूएसए समेत कई अन्य जगहों पर एल्युमिनाइ मीट हो चुका है, धीरे-धीरे इसका इसका विस्तार किया जा रहा है. इसके जरिये संस्थान के पूर्व छात्र-छात्राओं से संस्थान के सहयोग करने के लिए फंड भी बनाया जा रहा है. इसका इस्तेमाल संस्थान के विकास के साथ ही गरीब बच्चों की पढ़ाई में की जायेगी.

खूब चली पार्टी : एक्सएलआरआइ के होमकमिंग के दौरान दोपहर में संस्थान के जूनियर विद्यार्थियों की ओर से सीनियर के लिए पार्टी दी गयी थी. जबकि शाम में संस्थान की ओर से पार्टी दी गयी थी. इस दौरान सभी ने खूब मस्ती की.

9 पूर्व विद्यार्थियों को मिला डिस्टींग्विस्ड एल्युमिनस अवार्ड

टाटा ऑडिटोरियम में शनिवार की शाम एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें सभी पूर्व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. मुख्य अतिथि फादर पी क्रिस्टी ने पूर्व छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी कोई अपने कॉलेज में प्रवेश करता है तो भले वह किसी भी उम्र में क्यों ना हो, खुद को यंग जरूर महसूस करता है. उसकी उम्र जरूर घट जाती है. कार्यक्रम के दौरान प्रो प्रणवेश रे ने एल्युमिनाइ एसोसिएशन द्वारा किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी.

इन्हें मिला अवार्ड

- डिस्टिंग्वीस्ड एल्युमिनस अवार्ड (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड)- प्रोफेसर जितेंद्र सिंह (पीएमआइआर 1970)

डिस्टिंग्वीस्ड एल्युमिनस अवार्ड (प्रैक्टिसिंग मैनेजर)

- **कृष शंकर** (पीएमआइआर 1984 बैच) - ग्रुप हेड, एचआरटी इंफोसिस
- **प्रतीक कुमार** (पीएमआइआर 1988 बैच)- सीनियर लीडरशिप टीम, विप्रो
- **जुधादीत दास** (पीएमआइआर 1995 बैच)- चीफ एचआर, आइसीआइसीआइ प्रूडेंसियल
- **रामकृष्णन राममूर्ति** (बीएम 1982 बैच) - चीफ एग्जीक्यूटिव, पॉली कैब इंडिया लिमिटेड
- डिस्टिंग्वीस्ड एल्युमिनस अवार्ड (अलॉयड सर्विस) (पीएमआइआर 1991) - अरिजीत विश्वास
- डिस्टिंग्वीस्ड एल्युमिनस अवार्ड (इंटरप्रेन्योर) (एचआरएम 2014)- धवल शाह
- डिस्टिंग्वीस्डएल्युमिनसअवार्ड(एकेडमिशियन)(पीएमआइआर 1991)- डॉआनंद नरसिंम्हम, डॉ मदन पीलुतला (पीएमआरइआर 1991) फैकल्टी, लंदन बिजनेस स्कूल

PUBLICATION:Prabhat Khabar

DATE:26 December 2019

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 17

हॉर्टिकल्चर सोसायटी जमशेदपुर की 31वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी का हुआ समापन

व्यक्तिगत में प्रमोद और संस्थागत स्पर्धा में एक्सएलआरआइ बना ओवरऑल चैंपियन

- गोपाल मैदान बिष्टुपुर में पांच दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी का समापन

किंग ऑफ द शो : सेजर व विग इंग्लिश स्कूल, क्वीन ऑफ द शो : निरंजन मेहता व विग इंग्लिश स्कूल

लाइफ रिपोर्टर @ जमशेदपुर

हॉर्टिकल्चर सोसायटी जमशेदपुर की ओर से आयोजित 31वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी का बुधवार को गोपाल मैदान बिष्टुपुर में समापन हो गया. व्यक्तिगत स्पर्धा में प्रमोद सिंह और संस्थागत स्पर्धा में एक्सएलआरआइ ओवरऑल चैंपियन बना. व्यक्तिगत स्पर्धा में किंग ऑफ द शो का खिताब सेजर को, जबकि क्वीन ऑफ द शो का पुरस्कार निरंजन महतो को मिला. संस्थागत स्पर्धा में किंग ऑफ शो और क्वीन ऑफ शो दोनों ही इनाम विग इंग्लिश स्कूल की झोली में गया.

किसी को चार तो किसी को तीन-तीन खिताब : व्यक्तिगत स्पर्धा की अलग-अलग श्रेणियों में प्रमोद सिंह और सेजर को तीन-तीन खिताब मिले. प्रमोद सिंह को पॉटेड प्लांट, रोज और सीजनल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया. सेजर को गुलदाउदी, डहेलिया और पॉटेड फ्रूट एंड वेजिटेबल श्रेणी में पुरस्कृत किया गया. संस्थागत स्पर्धा की चार श्रेणी डहेलिया, पॉटेड प्लांट, सीजनल और कट फ्लावर का इनाम बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआइ के खाते में गया.

व्यक्तिगत में 51 व संस्थागत स्पर्धा में 22 ने लिया भाग : सोसायटी के सचिव अनिल कुमार जायसवाल ने स्वागत भाषण दिया. उन्होंने पांच दिनों तक चली प्रदर्शनी के दौरान हुए खुला सत्र, बच्चों के लिए आयोजित सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता की जानकारी दी. कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में 51 और संस्थागत स्पर्धा में 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया. उन्होंने सोसायटी की गतिविधियों को भी सामने रखा. खुला सत्र में शिरकत करने वाले रवि रत्न, एसबी मंडल, डॉ धनंजय चौबे और शंकर शार्खेल को सम्मानित किया गया. मौके पर कंचन कुमार पॉल, सुमिता नूपुर, अश्विनी कुमार श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहे.

दर्शकों ने प्रदर्शनी को सर्वश्रेष्ठ बनाया : उपायुक्त

मुख्य अतिथि उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने सभी विजेताओं को कप और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया. उन्होंने एक-एक स्टॉल का निरीक्षण किया. कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी थी. फूलों से दोस्ती करना किसे अच्छा नहीं लगता. यह प्रकृति के लिए वरदान भी है. उन्होंने कहा कि दर्शकों की भागीदारी से ही कोई कार्यक्रम सफल होता है, जो कि इस प्रदर्शनी के दौरान दिखा. उन्होंने सोसायटी की तरफ से प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया.

ओवर ऑल चैंपियनशिप के लिए मैं लगातार प्रयास कर रहा था. आखिरकार इसे जीतने में सफल रहा. आज मेरे लिए बड़ा दिन है. इस प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करूंगा. पिछले साल मुझे रोज, पॉटेड व सिजनल प्लांट में पुरस्कार मिला था.

- प्रमोद सिंह, ओवरऑल चैंपियन (व्यक्तिगत)

परिणाम

व्यक्तिगत स्पर्धा

- ओवरऑल चैंपियन : प्रमोद सिंह
- किंग ऑफ द शो : सेजर
- क्वीन ऑफ द शो : निरंजन महतो
- गुलदाउदी : सेजर
- डहेलिया : सेजर
- पॉटेड प्लांट : प्रमोद सिंह
- बोन्साइ : भवेश मंडल
- पॉटेड फ्रूट एंड वेजिटेबल : सेजर
- रोज : प्रमोद सिंह
- सिजनल प्लांट : प्रमोद सिंह
- कट फ्लावर : चंदन दलाल
- बेस्ट डिसप्ले : विनय आहूजा

संस्थागत स्पर्धा

- ओवरऑल चैंपियन : एक्सएलआरआइ
- किंग ऑफ द शो : विग इंग्लिश स्कूल
- क्वीन ऑफ द शो : विग इंग्लिश स्कूल
- गुलदाउदी : विग इंग्लिश स्कूल
- डहेलिया : एक्सएलआरआइ
- पॉटेड प्लांट : एक्सएलआरआइ
- बोन्साइ : मेसर्स बोर्नी स्टोर
- पॉटेड फ्रूट एंड वेजिटेबल : टीआरएफ
- रोज : गंगा रेजेंसी
- सिजनल प्लांट : एक्सएलआरआइ
- कट फ्लावर : एक्सएलआरआइ
- बेस्ट डिसप्ले : उत्कल ऑटो मोबाइल
- बेस्ट डिसप्ले (आउट स्टेशन) : टाटा स्टील कलिंगा नगर
- बेस्ट डिसप्ले (नर्सरी स्टॉल) : पांडा नर्सरी

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 16 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:18

होमकमिंग 2019 का हुआ समापन. पूर्व विद्यार्थियों ने पुराने दिनों को किया ताजा

...वी विल मिस यू एक्सएलआरआइ

लाइफ रिपोर्टर@ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में होमकमिंग 2019 का समापन रविवार को हो गया. रविवार को सभी पूर्व छात्र-छात्राएं वापस चले गये. रविवार की शाम चार बजे तक लगभग सभी कैंपस से निकल गये. हालांकि जाने से पूर्व उन्होंने पुराने दिनों को एक बार फिर ताजा किया और सार्वजनिक रूप से कहा कि आज वे जिस पद पर भी हैं, उसमें एक्सएलआरआइ का बहुत बड़ा योगदान है. सभी ने एक सुर में एक्सएलआरआइ को कभी भी नहीं भूलने की बातें दुहरायी. साथ ही सभी ने एक्सएलआरआइ के विस्तारीकरण व आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की मदद के लिए भी फंड जुटाने का आश्वासन दिया. इसके लिए एल्युमिनाइ एसोसिएशन पहल करेगा. एक्सएलआरआइ के एल्युमिनाइ एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो प्रणवेश रे ने कहा कि कई मायने में होमकमिंग 2019 सफल रहा.

विद्यार्थियों को दिया कॉरपोरेट वर्ल्ड का व्यावहारिक ज्ञान

रविवार को एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्र-छात्राओं ने वर्तमान विद्यार्थियों के साथ समय व्यतीत किया. रविवार होने के कारण क्लास का टेंशन कुछ कम था. इस वजह से सभी पूर्व विद्यार्थियों ने वर्तमान विद्यार्थियों के लिए एक सत्र रखा, जिसमें विद्यार्थियों को कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपनायी जाने वाली बातों की जानकारी दी गयी. इस दौरान विद्यार्थियों को कहा गया कि पढ़ाई पूरी करने के साथ ही प्लेसमेंट होगा, लेकिन उस वक्त ज्यादा पैकेज को केंद्र में रख कर कभी भी कंपनी का चुनाव नहीं करना चाहिए. कंपनी हमेशा वही चुननी चाहिए जिसका ट्रैक रिकॉर्ड बेहतर है. इसके लिए सीनियरों व प्रोफेसर से मदद ली जा सकती है. वर्तमान छात्र-छात्राओं को बताया गया कि विदेश की तुलना में देश की कंपनियों को तरजीह दी जा सकती है. इस मौके पर विद्यार्थियों ने अपने इंट्रेस्ट के आधार पर पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के विभिन्न कंपनी के एमडी व कई अन्य लोगों के नंबर एक्सचेंज भी किया. ताकि भविष्य में नौकरी के साथ ही रेफरेंस के मामले में उनकी मदद ली जा सके.

सुबह से ही थी मस्ती ऑन, सर्दी गॉन : रविवार की सुबह बेल्डीह गोल्फ कोर्स में सभी पूर्व छात्र-छात्राओं के लिए गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था. यहां से लौटने के बाद ब्रेकफास्ट हुआ. इसके बाद सभी पूर्व विद्यार्थियों के बीच क्रिकेट, बैडमिंटन, ऑन स्पॉट पेंटिंग, अंताक्षरी समेत कई अन्य प्रतियोगिता हुई. दोपहर में एक्सएलआरआइ एल्युमिनाइ एसोसिएशन के प्रेसिडेंट राणावीर सिन्हा की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए पार्टी रखी गयी थी. इस दौरान संस्थान के वर्तमान विद्यार्थी पूर्व विद्यार्थियों का पूरा ध्यान रख रहे थे.

PUBLICATION:The Avenue Mail
DATE: 4 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:5

XLRI to start its Delhi-NCR campus from June 2020

Mail News Service

Jamshedpur, Dec. 3 : XLRI - Xavier School of Management has decided to start the Delhi-NCR Campus for the academic Session 2020-2022. In the first phase, two sections of 60 students each for the Business Management programme(2020-22 batch) will be granted addmission. XLRI will be shortly applying for AICTE approval.

The registration for Xavier Admission Test (XAT-2020) has been extended till 10 December and as a special gesture late registration fees have been waived off this year.

The new state-of-the-art campus spread over an area of 36.34 acres is getting ready with infrastructure required for 240 students in the first phase. The new campus has earned a Gold-level Green Building Certification.

XLRI's new campus in New Delhi will have the same pedagogy and curriculum as XLRI - Xavier School of Management, Jamshedpur and the faculty from the main campus will also be taking classes at the new campus. Students who get through XAT will be able to get the admission to XLRI's Delhi-NCR campus. The choice will have to be made while applying for XAT-2020 Entrance Test.

The foundation stone for the Jhajjar campus in Delhi-NCR was laid on 16 January 2017. Om Prakash Dhankar, cabinet minister, Government of Haryana unveiled the plaque of the foundation and Rev. Anil Couto, Archbishop of Delhi, blessed the foundation stone.

XLRI's Delhi-NCR campus is located in Jhajjar District, at Naurangpur which is 25 kms. fromGurugram and is centrally connected to the main districts like Delhi, Gurgaon and Rewari.While announcing the admission for the first batch of Delhi-NCR campus Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI-Xavier School of Management said " XLRI is India's First B-School and for seventy years we had just one campus at Jamshedpur. With India slated to become the fifth-largest economy in the world in the near future, there is a concomitant need for more business leaders. XLRI took a strategic decision to expand its footprint across the country and set up new campuses in the North, West and Southern parts of India.

We are glad to announce that XLRI's Delhi-NCR campus is all set to start with 120 students for Business Management programme from 2020 academic session after the AICTE approval process is completed."

PUBLICATION:The Avenue Mail
DATE:9 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:2

XLRI to host Homecoming from Dec 14

To Felicitate Eminent Alumni at 'Distinguished Alumnus Awards Ceremony'

Mail News Service

Jamshedpur, Dec. 8 : XLRI- Xavier School of Management is all set to host 'Annual Alumni Homecoming 2019' on 14th and 15th December. Over 250 XL Alumni are expected to participate in this year's Homecoming.

This year, the batches of 1979 and 1969 will join for their 40th and 50th Homecoming year celebrations respectively. Many alumni of Batch of 1971 will also be coming for Homecoming year celebrations this year.

Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI - Xavier School of Management commented, "The Annual Homecoming is one of the most prestigious and important events for XLRI. Our alumni are the torch-bearers of the XL-Culture and have taken the vision and mission of XLRI to the world. They are the true role models for our present and future students and are the ones who truly inspire them to carry forward their legacy. It is a proud moment for us to welcome them back to the campus and felicitate them for their achievements."

On the occasion, XLRI would hold the 'Distinguished Alumnus Awards Ceremony'. This year, 10 select distinguished alumni of the institution would be felicitated in 6 categories. The event is to be held on the evening of 14th December, 2019.

Dr. Pranabesh Ray, Chairperson - Alumni, XLRI - Xavier School of Management said,

"Homecoming is the annual XL family get-together that strengthens our XL bond and fosters camaraderie amongst us. It revives the family spirit. Our alumni meet their old acquaintances, classmates and teachers and reminisces memorable experiences they have had at XLRI."

Mr. Rana Sinha, President- XLRI Alumni Association commented, "XLRI can claim to have the most active networking of Alumni amongst Indian Business Schools. Every year the alumni chapters have their get-togethers in cities across India and abroad. This year, we celebrated Alumni Summer Meets in different cities like Chennai, Kolkata, Hyderabad, Delhi, Mumbai, Pune, Bengaluru and also in Dubai and Singapore. In earlier years, alumni meets were also held in various cities in USA, Dubai and Toronto. In 2008 we had created the XLRI Endowment Fund (XEF) and today XEF USA is a registered non-profit association".

XLRI Alumni Association has Alumni Chapters both in India and abroad. In India, the XLRI Alumni Chapters are in Bangalore, Delhi, Chennai, Hyderabad, Kolkata, Mumbai, and Pune.

XLRI also has Alumni Chapters in Singapore and Dubai. In U.S.A. it has chapters in San Jose (covering Bay Area), Dallas (covering the State of Texas), Washington DC, New Jersey, New York, Boston (covering New England), Chicago (covering mid-west region), as well as in Toronto (Canada).

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 16 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI felicitates nine distinguished alumnus

'Annual Alumni Homecoming 2019'

Mail News Service

Jamshedpur, Dec. 15 : XLRI- Xavier School of Management hosted 'Distinguished Alumni Awards Ceremony' to felicitate its illustrious alumni on the occasion of 'Annual Alumni Homecoming 2019'. This year 9 distinguished alumni of the institute received the Distinguished Alumnus Awards in five categories.

The two-day long celebration of XLRI's 'Annual Alumni Homecoming 2019' was held on 14th - 15th December. This year, XLRI celebrated the Annual Homecoming for the 17th year. Over 250 XL Alumni participated in this year's Homecoming held at XLRI Campus, Jamshedpur.

The highlight of XLRI Annual Alumni Homecoming, the 'Distinguished Alumnus Awards Ceremony' was hosted today at the Tata Auditorium. Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI; Mr. Rana Sinha, President of the XLRI Alumni Association and Prof. Pranabesh Ray, Chairperson, Alumni, XLRI were also present on the occasion.

The Winners in different categories of 'Distinguished Alumnus Awards' 2019:

Distinguished Alumnus Award - (Lifetime Achievement) Jitendra Singh, Professor Emeritus, XLRI, Jamshedpur, (PMIR-1970)

Distinguished Alumnus Award (Practicing Manager) Mr. Krish Shankar, Group Head - HRD Infosys, Pratik Kumar, Member of Senior Leadership Team, Wipro (PMIR- 1988), Judhajit Das, Chief Human Resources, ICICI Prudential (PMIR- 1995), Ramakrishnan Ramamurthy, Chief Executive, Polycab India Ltd (BM- 1982)

Distinguished Alumnus Award (Allied Fields, Arijit Biswas, Script Writer (PMIR - 1991)

Distinguished Alumnus Award Entrepreneur, Dhaval Shah, Founder, Pharm Easy. (HRM- 2014), Distinguished Alumnus Award - (Academician) Dr. Anand Narasimhan, Dean (Faculty & Research), IMD (PMIR-1991), Dr. Madan Pillutla, Faculty, London Business School, (PMIR-1991)

This year's Homecoming saw reunion of the batches of 1979 and 1969 celebrate their 40th and 50th homecoming year respectively. Many alumni of Batch of 1971 also participated in this celebrations.

Commenting on the Annual Alumni Homecoming, Fr. P. Christie S.J., Director, XLRI said, "The Annual Homecoming is one of the most prestigious and important events for XLRI. Our alumni are the torch-bearers of the XL-Culture and have taken the vision and mission of XLRI to the world. They are the true role models for our present and future students and are the ones who truly inspire them to carry forward their legacy. It is a proud moment for us to welcome them back to the campus and felicitate them for their achievements."

Rana Sinha, President, XLRI Alumni Association said, "XLRI can claim to have the most active networking of Alumni amongst Indian Business Schools. Every year the alumni chapters have their get-togethers in cities across India and abroad. This year, we celebrated Alumni Summer Meets in different cities like Chennai, Kolkata, Hyderabad, Delhi, Mumbai, Pune, Bengaluru and also in Dubai and Singapore. In earlier years, alumni meets were also held in various cities in USA, Dubai and Toronto. In 2008 we had created the XLRI Endowment Fund (XEF) and today XEF USA is a registered non-profit association".

Prof. Pranabesh Ray, Chairperson - Alumni, XLRI commented, "Homecoming is the annual XL family get-together that strengthens our XL bond and fosters camaraderie amongst us. It revives the family spirit. Our alumni meet their old acquaintances, classmates and teachers and reminisces memorable experiences they have had at XLRI."

XLRI Alumni Association has Alumni Chapters both in India and abroad. In India, the XLRI Alumni Chapters are in Bangalore, Delhi, Chennai, Hyderabad, Kolkata, Mumbai, and Pune. XLRI also has Alumni Chapters in Singapore and Dubai. In U.S.A. it has chapters in San Jose (covering Bay Area), Dallas (covering the State of Texas), Washington DC, New Jersey, New York, Boston (covering New England), Chicago (covering mid-west region), as well as in Toronto (Canada).

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 26 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 1,12

Ecomm Cos, Startups Step up Campus Hiring

Cos seeking freshers who are quick to learn new-age tech skills and adapt to fast-paced business environments

Sreeradha D Basu & Prachi Verma Dadhwal

Kolkata | New Delhi: Ecommerce companies and startups are stepping up hiring by 50-100% from India's leading engineering colleges and B-schools this placement season as they seek candidates who are quick to learn new-age tech skills such as Big Data and Internet of Things and adapt to fast-paced business environments.

Udaan, Droom, Flipkart, Amazon, Toppr, Testbook and NoBroker are among those hiring aggressively from campuses across multiple functions including operations, human resources, finance, business development, product management, marketing, sales, data science, software development and transformation.

For many of these companies, the campus intake from the Class of 2020 will be the highest ever. Online learning firm Toppr, for instance, is hiring more than 100, double that of last year. "Not only is entry-level talent bursting with energy to perform well, it also has an impressive learning curve," said CEO Zishaan Hayath.

Udaan, an ecommerce platform for businesses that raised $585 million from investors a few months ago, is planning to hire more than 50 from the Indian Institutes of Technology and other engineering colleges, more than 100 from B-schools and other campuses, and more than 20 for specialised roles such as chartered accountants.

Higher Salaries on Offer ▸▸ 12

50-100% increase in campus hirings by ecomm firms/startups

TOP RECRUITERS

Udaan
Droom
Toppr
Testbook
NoBroker

For many of these firms, this is the highest campus intake

Besides top engineering institutes and B-schools, firms hiring CAs and students from design schools

Freshers preferred for their ability to learn and adapt quickly

Illustration: ANIRBAN BORA

Higher Salaries on Offer

▸▸ From Page 1

The unicorn visited more than 30 campuses this year and has increased hiring by 50%, the most till date. "Our investment strategy is to invest in new talent so that they can build solutions for the company and contribute to business growth," said cofounder Sujeet Kumar.

Edtech startup Testbook has increased hiring threefold from campuses this year to 36 from four IITs compared with 12 from three last year. Salaries have gone up by 20%. "The business is expanding and hiring numbers have gone up in line with that," said CEO Ashutosh Kumar.

At the IITs, which have completed the first phase of final placements, ecommerce companies and startups have recruited in large numbers. Bengaluru-based real estate portal NoBroker, which raised $50 million in a Series D financing round in October, has given offers to 20 students from the IITs at Guwahati, Kanpur, Mumbai, Delhi and Chennai as part of campus and PPO (preplacement offer) hiring compared with just three-four last year.

They will be visiting the Indian Institutes of Information Technology (IIITs) and the Birla Institute of Technology and Science (BITS) as well.

"Traditionally, we have been hiring freshers from campus and people who joined us four-five years back have already taken leadership roles. We are looking to expand further," said cofounder Akhil Gupta.

Data science consulting firm Indus Insights has picked up 26 students from the IITs in Kanpur, Delhi, Chennai and Roorkee, with hiring at BITS-Pilani scheduled in January. At total of 50 offers will be made to new graduates this year, said CEO Saurabh Sharma.

At SPJIMR, ecommerce cos made offers to about 22% of the batch compared with 17% last year

While top Indian Institutes of Management (IIMs) will begin final placements only in the new year, at other leading business schools such as SPJIMR that are done with their placements, ecommerce/startup firms recruited more aggressively than last year. At SPJIMR, for instance, ecommerce companies made offers to about 22% of the batch compared with 17% last year.

INTERNATIONAL HIRING

Automobile marketplace and auto services company Droom is scaling up campus hiring by nearly 70%. It will be recruiting from leading Indian B-schools and engineering institutes, as well as international campuses, including the Wharton School, London Business School and Columbia Business School as it expands operations overseas, said CEO Sandeep Aggarwal.

At Flipkart, campus recruitments are similar to last year but the hiring of interns has doubled. The National Institutes of Technology (NITs) at Bhopal and Jaipur were among the schools the company visited for the first time this year. Udaan also began visiting new IITs and IIMs that were recently launched in tier-II cities.

At Myntra Jabong, campus recruitments will constitute 20-25% of overall hires, said senior vice president Abhishek Sen.

Besides the top IIMs, the Indian School of Business (ISB) and XLRI-Xavier School of Management, it recruits from IITs, NITs, the Indian Institute of Science (IISc) and the IIITs. The National Institute of Fashion Technology (NIFT) is being tapped for design roles and the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) for those in finance.

PUBLICATION:The Financial Express
DATE:9 December 2019
EDITION: All Edition
PAGE:12

EXPERT VIEW

XLRI is India's first B-school, and for 70 years we had just one campus, in Jamshedpur. With India slated to become fifth-largest economy, there is a need for more business leaders. XLRI took a strategic decision to expand its footprint, and the XLRI Delhi-NCR campus is all set to start with 120 students from 2020 academic session.

—Fr. P Christie SJ, XLRI-Xavier School of Management

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 14 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 9

The Code is confused, badly drafted, unimaginative, unrealistic, empirically ungrounded and most woefully lacks a perspective. It is a cut-copy-paste with minor and often mindless tinkering

INDUSTRIAL RELATIONS CODE

A poor balancing act

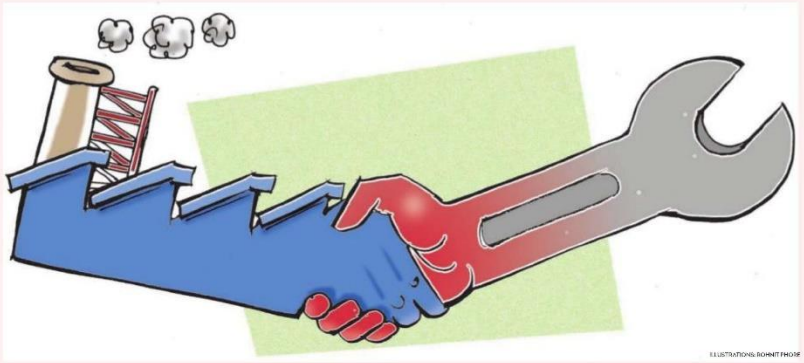

ILLUSTRATIONS: ROHNIT PHORE

THE INDUSTRIAL RELATIONS Code has sought to combine three laws, viz. the Trade Unions Act, 1926, the Industrial Disputes Act, 1947 (ID Act) and the Industrial Employment (Standing Orders) Act 1946 (Standing Orders Act). Lawmakers are justifying the Code on two major grounds, protection of workers' interests and promotion of ease of doing business.

Workers' Benefits

It is well-known that the average size of the factory in the organised sector has declined due to technological factors and organisational strategies (supply chain)—according to the Annual Survey of Factories data, the workers per factory declined from 59.71 during 1981-85 to 47.65 during 2013-16. The decline at the aggregate level is a significant indicator of the kind of fragmentation happening at the disaggregate levels. Unlike other Codes, which sought to widen the coverage of workers and establishments, this one largely retains the thresholds.

For example, the Standing Orders Act required the employers to frame 'standing orders' to eliminate discrimination in the conditions of employment and that Act was applied understandably to establishments employing 100 or more workers; this was the case at the initial stages of industrialisation in the late 1940s. Similarly, in the ID Act the applicability of the bi-partite forum, 'works committee' was pegged at 100 in 1947. These benign provisions should be made applicable to establishments employing at least 50, if not 20, after more than seven decades of initial law making. In fact, more workers' protective provisions are needed in the small and medium establishments as there is enough research evidence to show that the probability of presence of workers' voice rises/falls with the size of establishments.

The Code provides for recognition of trade union(s) for collective bargaining purposes. This reform has been pending for more than seven decades. But the good work is undone by unrealistic and unimaginative legislating. In the case of multiple unions, a union having 75% membership will be designated as the sole bargaining agent, failing which a negotiating council will be formed with constituent unions having at least 10% membership in the bargaining unit. By setting a stiff threshold of 75% membership for sole bargaining agent status, the law defeats its very objective of providing for it; either the lawmakers have no grip on the empirical realities or they are insincere about their noble purposes. Then, the law in fact enables multi-union and crowded (theoretically 10 unions in any firm) negotiating council. It fails to recognise the probability of a larger union say with say 33-49 % membership being treated on par with that having 10% membership. These will make union sector in a firm a battle ground, which would ultimately lead to inefficient bargaining.

KR SHYAM SUNDAR

Professor, XLRI, Xavier School of Management. krshyams@xlri.ac.in

The Code wrongly claims that it has removed several adjudicating bodies like the Court of Inquiry, Board of Conciliation and Labour Courts, and provides for a single body, the Industrial Tribunal. First, the Court of Inquiry and the Conciliation Boards do not have adjudicatory powers in the ID Act. Second, providing for one forum, the Tribunal is not the solution that will address the concerns of the workers or the employers. Currently, the adjudication process suffers from two serious shortcomings, viz. absence of quick and efficient system of industrial justice delivery (which means time-based dispute resolution processes) and inadequate number of adjudicatory tribunals and officials proportionate to the workforce. Maybe it is time to revive the Labour Appellate Tribunal as the higher courts, the High Courts and the Supreme Court occupied with all sorts of litigations have unmanageable workload. Judicial reform in the wide sense is the remedy and not just meaningless changes in nomenclatures. Apart from the aforementioned weaknesses, the tougher conditions for legal strikes (which include accidental mass casual leave), the lower status for collectively bargaining agreement as opposed to conciliated settlements and judicial awards in terms of their differential coverage weaken bi-partism.

Ease of Doing Business

Electronic compliance, where necessary, has been provided. But major concerns of the employers have not been addressed adequately. Despite the fact that none of the State governments notified the fixed term employment (FTE) reform carried out in March 2018 by the Central government, the Code has included it. The irony is that FTE benefits neither workers nor employers. Workers do not benefit because of absence of regulations on the contracts' tenure and the number of renewals.

In the absence of recognition laws, tougher employers could slug it out wearing out contesting militant trade unions. Now they must contend with a crowd of trade unions lest they will be hauled up under the Code

Workers fear that they will be permanently temporary and live on the mercy of the employers as they cannot unionise for fear of losing renewal prospects. For the employers, FTE is far costlier than contract labour in many ways. For example, they apart from higher monetary costs, increase the transaction costs of cycles of renewals and the monitoring and disciplinary costs (being their direct employer). Further, when more flexible and easier options are available, the principle employer is least incentivised to use FTE. Finally, who is going to supply skill-ready FTEs to the employer?

The threshold with respect to retrenchment of workers and closure of establishments has been left untouched in the Code despite loud demands from the employers for relaxing them or even doing away with them. Though the Code has a provision to have it changed through executive order by the appropriate governments. This will not inspire the confidence of the foreign investors. Assuming that regional governments relax the thresholds, flight of capital will have to take place and they have tremendous costs (land, labour, legal, tax, etc.). What is the guarantee that the state which relaxes exit threshold scores high on other aspects of ease of doing business. Assam and Jharkhand should be securing higher foreign direct investment, but do they? Further lobbying costs for employers will increase as the lobbying centres are equal to the number of regions and not just the central government. To the foreign investors, the legal map of Indian sub-continent will be frightfully crowded and confused. Reform at the federal level will create a level playing field and remove uncertainty on this front. Adding to their unease, apart from tackling separation costs, they have to cough up money to the reskilling fund. So the state has cleverly shifted three primary costs on to the employer, viz. the skilling, unemployment allowance and social security (gratuity cost to contract labour is threatening them!)

Finally, everyone knows that most strikes in India are indeed illegal, and no punitive action can be taken by the government for fear of backlash unless judiciary flays the erring parties. They hoped for clarity, on the recognition front, so that efficient collective bargaining could be conducted. Now, the poorly drafted reforms concerning recognition have dashed their hopes. In the absence of recognition laws, tougher employers could slug it out wearing out contesting militant trade unions. Now they must contend with a crowd of trade unions lest they will be hauled up under the Code!

The Code is confused, badly drafted, unimaginative, unrealistic, empirically ungrounded and most woefully lacks a perspective. It is a cut-copy-paste with minor and often mindless tinkering. So it pleases neither the Labour nor the Capital!

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 16 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 12

NEW XLRI CAMPUS

XLRI expands after 70 years

XLRI Delhi NCR campus will admit 120 students for business management

VIKRAM CHAUDHARY

XLRI-XAVIER SCHOOL of Management has announced it will start its Delhi NCR campus for academic session 2020-22. In the first phase, two batches of 60 students each for the business management programme will be granted admission.

Fr P Christie SJ, director, XLRI-Xavier School of Management, said that the new campus, located in Jhajjar in Haryana, to the west of Delhi, is spread over an area of 36.34 acres, and is getting ready with infrastructure required for 240 students in the first phase. "The campus building has already earned a gold-level green building certification," he noted.

It's the first time in 70 years that XLRI is expanding to another city in India; it was set up in 1949 by Fr Quinn Enright, SJ, in the 'steel city' of Jamshedpur.

Students will need to clear XAT, XLRI's admission test, for admission. The campus choice will have to be made while applying for XAT

"The new campus will have the same pedagogy and curriculum as in Jamshedpur, and faculty from the main campus will also be taking classes at the new campus. Students who get through XAT, XLRI's admission test, will be able to get admission to the new campus. The choice, however, will have to be made while applying for XAT," Fr Christie said.

He asserted it's not merely a satellite campus. "It's a full-fledged campus; it's a branch of XLRI. It's not like different IIMs. While there will be faculty-sharing, we will have the required faculty in the Delhi NCR campus, especially in new areas like digital marketing, IoT, fintech, business analytics and so on. Faculty from both the branches will complement each other. Essentially, we will not compromise on the quality of faculty or the quality of teaching," he added.

On the need for a new campus, Fr Christie said: "With India slated to become the fifth-largest economy in the world, there is a concomitant need for more business leaders. We are taking a strategic decision to expand our footprint across the country."

As far as placements and salaries are concerned, Fr Christie believes that Delhi NCR campus students might just enjoy locational advantage. "Students at the new campus will be at a better location compared to Jamshedpur as far as corporates approaching the campus for placements is concerned. Gurgaon and Noida are corporate hubs, so students might just have more advantage. Delhi is better connected internationally too," he said.

In addition, XLRI will start its corporate programme at the Delhi NCR campus March 2020, similar to what it holds in Jamshedpur.

PUBLICATION:The Hindu Business Line
DATE: 5 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 17

XLRI plans international collaborations for courses in Delhi-NCR campus

SHOBHA ROY

Kolkata, December 4

XLRI (Xavier School of Management) is looking for international collaborations for the corporate and executive programmes it plans to roll out at the new campus at Delhi-NCR, starting early next year.

The campus in Jhajjar district, at Naurangpur approximately 25 km from Gurugram, is spread over 36.34 acres and has the infrastructure required for 240 students in the first phase. The foundation stone for the campus was laid in 2017.

According to Fr P Christie SJ, Director, XLRI, the corporate and executive management education programmes would be rolled out from February or March 2020. Plans are also afoot to set up one or two more campuses in the western and southern parts of the country moving forward.

Fr P Christie SJ, Director, XLRI

"We are looking at some international collaboration for executive and corporate programmes, we have not finalised yet but talks are on. We will start with the executive programmes from February/March next year," Christie told *BusinessLine*.

As far as the flagship two-year management programme is concerned, two sections of 60 students each in Business Management will be admitted in the first batch (2020-22). The focus would be on new and emerging areas such as business analytics, fintech, technology integrated supply chain management and digital marketing.

"These are important and emerging areas and we will focus on that, otherwise we will be obsolete," he said.

Curriculum design, faculty

XLRI will be shortly applying for AICTE approval for the new campus. Once the Jhajjar campus is fully established, the institute may explore other markets and Mumbai could be an option, he said.

The institute's Jamshedpur campus currently takes around 360 students — 180 each for Business Management and Human Resources programme.

XLRI's new campus will have the same pedagogy and curriculum as XLRI, Jamshedpur and the faculty from the main campus will also take classes at the new campus. Students who get through XAT will be able to get admission to the Jhajjar campus. The choice will have to be made while applying for XAT-2020 entrance test.

We will start with the executive programmes from February/March next year and we are looking for international partners

"Though it is (Jhajjar) a campus, it is like our branch. So some faculty members will go from here. We will also take some new faculty mainly for emerging areas. So the campuses will complement each other. We do not want to differentiate between these two campuses in terms of admission or faculty or curriculum," he said.

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE: 20 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 7

How to ensure effective labour flexibility

Reforms that address both employer and union concerns are needed. The Industrial Relations Code fails in this regard

KR SHYAM SUNDAR

The Industrial Relations Code (IRC) was introduced in Parliament during November, and the trade unions have protested against it as expected. Employers are not going to be happy either, for the IRC does not meet all their demands, especially with the changing of thresholds for firing employees and closure of firms at the national level.

The IRC has messed up the clauses relating to recognition, dispute resolution and labour flexibility.

It is not a good strategy for the Central government to leave the issue of labour flexibility to the State governments for three reasons: States may take time to formulate reforms, and the eventual reforms may lead to differential labour standards for various reasons; potential foreign investors will be left utterly confused with differential labour standards, while national reforms will send concrete and clear signals to them; for trade unions, difference in unions' strength and an absence of social dialogue at the State levels will weaken their cause of labour protection. Hence, it is better to determine the labour standards at the national level.

While it is true that employers do require some amount of labour flexibility to respond to the somewhat volatile market forces, employment security and social protection cannot be altogether sacrificed at the altar of the market.

Aggressive and widespread flexibility is myopic. In the medium and long run this will eventually affect human capital formation due to underemployment and unemployment (at least in the short run); lead to lower labour-force participation due to negative perceptions; and result in lower skill formation at the firm level (due to poor investment in training, as employer tenures will be shorter and the issue of shifting skilling costs on to the temping agencies/contractors and the workers). The economy will suffer due to poor income levels, and as families will be constrained in investing in education. Labour flexibility will cause weakening of aggregate demand which will deepen the slowdown.

Instead of going down this path, here is an alternative that keeps in mind the interests of all stakeholders.

Employment flexibility

Fixed-term employment (FTE) should exist to afford flexibility to employers, and even on the supply side to the employees (for this reason, part-time employment should be legally regulated). There should be appropriate regulations concerning tenure (minimum and maximum), ceiling on the cumulative duration, the number of permissible renewals, and the objective reasons for which FTEs is needed.

The objective of FTE is to provide temporary flexibility, hence it cannot be abused by using it for 'core' and 'perennial' services.

Hence, either FTE should be prohibited for these kind of services; or, as in China, after two renewals, it should be converted into open-ended contracts.

Retrenchment of workers

Chapter X of the IRC refers to the closure of establishments and retrenchment/lay-off of workers.

The government can afford to tinker with Chapter X at any level, subject to five non-negotiable conditions: a credible and universal unemployment allowance/insurance system is in place (and the existing inadequate scheme under the ESI Act is done away with); employers and government shoulder the responsibility to create suitable skills and re-skill workers (with active labour market policies and reforms in skills development and re-training systems); a dynamic employment information system (EMS) is created; a robust system of recognition of trade unions and severe and quick resolutions of complaints of unfair labour practices (provided in the IRC) is provided; and trade unions are involved in the implementation of the unemployment allowance/insurance system and the EMS.

Uniform standard The issue of labour flexibility should be taken up by the Centre, not the States BLOOMBERG

The provision that empowers the appropriate government to change the threshold for Chapter X through the notification route must go, as it is against the tenets of lawmaking in a democratic society.

Reforms must be based on effective and meaningful social dialogue at all levels. Till then, Chapter X should be left unamended.

Contract labour

The government must hold social dialogue to prescribe the ceilings on the contract labour and FTEs in an establishment, and strengthen the regulatory aspects of the contract labour system.

The IRC should recognise only financially strong contractors, replace employment threshold with financial capital threshold (as in China) and ban petty and fly-by-night operators, who cause utter damage to both firms and employees.

Granting of licences and renewals should be done subject to satisfactory compliance record. A transparent system of compliance records of principal employers and contractors should be maintained, with an embargo of at least three years if found non-compliant at least twice on major variables — a credit-rating system similar to the financial sector should be developed for this.

Principal employers cannot wash their hands of responsibility, as they are the eventual beneficiaries and will be held fully liable for any kind of violations of the contract labour regulations.

There must be a provision for a tripartite (principal employer, contractors and the contract workers' or a general union) collective bargaining agreement, which will take care of the terms and conditions of employment.

Minimum wages for the contract workers should be separately fixed on a higher footing, if they are denied the collective bargaining rights by the employers.

The principal employers will be responsible for multiple labour rights, including occupational safety.

Contract workers working in the same firm, even under different contractors, for a negotiated period should be deemed to be employees of the principal employer for the latter has benefited for long.

Contract labourers should not depend on the fellow regular workers to raise an industrial dispute as we are recognising the principal employer as the relevant agency in the system.

The point here is that if employers want a contract labour system, then they must accept it with complete regulations. Since they involve three parties, all three should be involved in the entire process of regulation. Then, the 'prohibition' clause in the Contract Labour Act can go.

Employers should realise that flexibility comes at a cost (actually, as a benefit too, as the wages return to the firms as revenue) and trade unions should understand that employers genuinely need flexibility.

Competitive efficiency is as important as full and good quality employment, after which both the society and the economy can move forward.

The writer is Professor, XLRI, Xavier School of Management, Jamshedpur

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE: 24 December 2019
EDITION:All Edition
PAGE: 7

Railways weighed down by pension burden

Successive Pay Commissions have given rise to this situation, raising the operating ratio of the Railways

TS RAMAKRISHNAN

The report submitted by the Comptroller and Auditor General of India (CAG) in December 2019 underscored that the operating ratio (ratio of operating expenses to operating revenue) of Indian Railways (IR) has been continuously increasing.

After scrutinising the financial parameters of IR in FY 2017-18, the CAG report mentioned that the operating ratio of 98.44 per cent would have increased to 102.66 per cent had IR not received advance receipts from NTPC and IRCON to the tune of ₹7,342 crore. It also highlighted that IR decreased the allocation of Depreciation Reserve Fund by 68 per cent, which would result in piling up of "throw forward" of works to the tune of about ₹1 lakh crore.

There are essentially two components that contribute significantly to the operating expenses. The first one is salary and other allowances, including bonus given to the employees on the roll. The second one is the pension and family pension paid to the pensioners and their spouses respectively till they live, which includes pensioners after superannuation and those who opted for voluntary retirement. Even in the 1950s, the share of salary and pension was about 53 per cent of the total operating expenses and it remained about the same level with smaller variations till the implementation of the Sixth Pay Commission in August 2008.

The committee of professors from Xavier Labour Relations Institute (XLRI) Jamshedpur helped the Sixth Pay Commission to arrive at the true remuneration of government employees considering all the benefits they get during service and during their retirement in comparison to the gross salary they get every month, and estimated that the true salary is 2.25 times of that gross salary. However, India witnessed a surge in the salary of private sector employees in the first decade of 21st century till the global economic slowdown in 2008 followed by moderate Indian growth story.

Ignoring the findings of the XLRI committee, and to offset the disparity between government and private sector salaries, the Sixth Pay Commission revised the scales with the huge hike. As a result, when the Commission's recommendations were fully implemented, the share of salary and pension in the total operating expenses shot up to about 57 per cent in 2010-11 and further to 62 per cent in 2015-16.

Relentless hike

After sensing the global slowdown in 2008 and thereafter and reduced economic growth of India during UPA-2 tenure, the private sector scaled down the remuneration of their employees. However, when the Seventh Pay Commission introduced revised pay scales for Central government employees without considering the scaling down of the remuneration by the private sector — that was the last straw that broke the Railways' back.

In FY 2017-18, the salary and pension component increased to 41 per cent and 26 per cent of the total operating expenses of IR. In other words, for every ticket purchased for ₹1,000 in FY 2017-18, ₹410 went for the salary of IR employees and ₹260 went for the pension of retirees. This is despite the moderate increase in Dearness Allowance (DA) as Modi-1.0 regime maintained the yearly inflation at about 4 per cent during its tenure.

Even in FY 2008-09, the share of pension in the total operating expenses was 14 per cent. Then the moot question is how the share of pension almost doubled within a decade. There are two reasons for this. The first one is that each Pay Commission not only increases the salary of employees but also the pension/family pension of retirees. On average, an employee gets the benefits of pay hike by three Pay Commissions during his employment.

Too taxing Rising employee costs are derailing Railways' finances G MOORTHY

As the life span has been increasing with better medical facilities, a retiree or his/her spouse may get the benefit of about three Pay Commissions. In 2016, the statistics showed that among the total pensioners of 13.75 lakh, 2.86 lakh were of 80 years of age or more. The Railway Ministry then carried out an exercise to check whether there was any fraud in the number of pensioners above 80 years and it was found that there was no fraud and all of them were hale and healthy.

The above analysis shows that although the operating ratio invariably exceeded 90 per cent since 1980, the lopsided increase in salary and pension has been the reason for the increased operating ratio since the implementation of Sixth Pay Commission, unlike the previous times. Since the Sixth Pay Commission, the share of salary of working employees and pension of retirees in the total operating expenses have started to increase exponentially and there is no valid reason to believe that this trend would stop. Given this, the share of pension alone in the total operating expenses of IR may reach 40 per cent or even higher between 2030 and 2050.

No inclination to learn

Despite being paid more during their employment and retirement, the inclination and initiative to learn the latest technological and service-orientation developments to take IR to the next level even incrementally, is conspicuously absent, both among employees and officers. The share of electric locomotives was about 35 per cent in 2000-01 and in 2017-18, it increased to about 50 per cent.

With IR planning to electrify all its routes in a time-bound manner, electric locomotives for hauling will become a norm. However, it has been reported that the staff allocated for maintaining diesel locomotives have not been shifting towards maintaining electric locomotives at the rate at which electric locomotives have been deployed in IR.

As the technology and service-orientation have been changing every few years and to learn and practice the changes fast, the private sector has been keen that average age of its employees is below 30, whereas the average age of IR employee is about 45. Unless there is a mindset to learn and practice new things fast, the training programmes conducted for weeks and months for employees and officers will be of no avail for IR.

Even if IR deploys the latest technological advancements for operation and maintenance on a large scale, which has already been happening in dribs and drabs, the share of salary and pension expenses in the total operating expenses may not decrease. Instead of learning and adapting to newer technologies and business practices, a section of IR employees, who worked with old technology and callous service-orientation, may prefer voluntary retirement as the pension amount is substantial. Even if a few lakh employees decided to opt for voluntary retirement, IR may end up spending a little less on salary and substantially more on pension, thereby the share of salary and pension in the total operating expenses may not go down.

The New Pension Scheme, which reduces the burden for governments, is applicable only for the employees who joined the services from January 1, 2004. Those who have joined IR in 2004 and thereafter will retire only by about 2040. The financial burden on pension would start reducing after 2040 and IR would be freed from pension burden completely by 2080. IR would require at least 30 more years to start offloading its pension burden imposed by the Sixth and Seventh Pay Commissions.

The writer is Member, Pursuitex LLP

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 10 December 2019
EDITION: Kolkata/New Delhi
PAGE: 16

National summit

FIRE@X— Forum for Industrial Relations at XLRI- Xavier School of Management organised Third National IR Summit recently. When XLRI was founded in 1949, one of the objectives was to shape an institute that would approach labour issues with sensitivity and with a wholesome view across the negotiation table that many corporate managers distinctively lacked. The summit was an extension of that same vision, with this year's theme—Changing Landscape of Labour Workforce— having placed special emphasis on gig workers, independent contractors and contract workers.

To cast light on how industrial relations is evolving as a field and generate greater sensitivity among participants towards labour issues, the summit featured competitions like Legal Eagle, Trial By Fire, Bury The Hatchet, etc.

PUBLICATION:The Telegraph
DATE: 4 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

XAT deadline

JAMSHEDPUR: Registration for Xavier Admission Test (XAT-2020) conducted by XLRI has been extended till December 10 from the earlier deadline of November 30. Late registration fees have also been waived off this year. The business school will start its Jhajjar campus in Haryana from 2020 with two sections of business management. Faculty members from the main campus in Jamshedpur will also be taking classes at the new campus.

PUBLICATION:The Telegraph
DATE: 6 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

XLRI event

JAMSHEDPUR: XLRI will host the annual Alumni Homecoming 2019 on December 14 and 15. This year, the batches of 1979 and 1969 will join for their 40th and 50th homecoming year celebrations respectively. Many alumni of the 1971 batch will also be coming. Ten distinguished alumni will be felicitated in six categories.

PUBLICATION:The Telegraph
DATE:10 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

Return of the homies of XLRI

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: XLRI is all set to host its yearly alumni meet, Annual Homecoming 2019, on December 14 and 15 on the campus.

Over 250 alumni members of XLRI are expected to participate in this.

This year, the batches of 1979 and 1969 will join for their ruby (40th) and golden (50th) jubilee homecoming year celebrations respectively.

Alumni members of the 1971 batch will also be joining for the celebrations, among alumni members.

Father P. Christie, director of XLRI, said: "The Annual Homecoming is one of the most prestigious and important events for XLRI. Our alumni are the torch-bearers of the XL-culture and have taken the vision and mission of XLRI to the world.

"They are the true role models for our present and future students. They are the ones who truly inspire the juniors to carry forward their legacy," said Christie.

He said: "It is a proud moment for us to welcome them back to the campus and felicitate them for their achievements."

On the occasion of annual homecoming, XLRI would hold the distinguished alumnus awards ceremony.

This year, 10 selected distinguished alumni of the institution would be felicitated in the following six categories—lifetime achievements, practicing manager, academician, young achiever, entrepreneur and allied fields. The awards will be handed over on the evening of the first day of the event.

Pranabesh Ray, chairperson, alumni, XLRI, said: "Homecoming is the annual XL family get-together that strengthens our bond and fosters camaraderie amongst us. Our alumni meet their old acquaintances, classmates and teachers and reminisce memorable experiences they have had at XLRI."

XLRI alumni association has chapters both in India and abroad. In India, the XLRI alumni chapters are in Bangalore, Delhi, Chennai, Hyderabad, Kolkata, Mumbai, and Pune. XLRI has alumni chapters in Singapore and Dubai. In USA, it has chapters in San Jose, Dallas, Washington DC, New Jersey, New York, Boston, Chicago, as well as in Toronto in Canada.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 15 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8,9

● XLRI FETES NINE ILLUSTRIOUS EX-STUDENTS P9

9 stars at XLRI alumni meet

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Jamshedpur: XLRI on Saturday hosted its much-awaited distinguished alumni awards ceremony to pat nine illustrious alumni on their backs.

On XLRI's annual alumni meet, Homecoming 2019, nine alumni received the honour in five categories.

The lifetime achievement award went to professor emeritus XLRI Jitendra Singh of the 1970 batch. The distinguished alumnus award (practising manager) went to four persons — Krish Shankar, group head-HRD Infosys, class of 1984; Pratik Kumar, member of senior leadership team Wipro, class of 1988; Judhajit Das, chief human resources, ICICI Prudential, class of 1995; and Ramakrishnan Ramamurthy, chief executive officer of Polycab India, class of 1982.

Diversity ruled as Bollywood scriptwriter Arijit Biswas *(Andhadhun)* of the 1991 batch won the distinguished alumnus award in the allied fields category and Dhaval Shah, founder of PharmEasy, of the 2014 batch, won it in the entrepreneur category.

Anand Narasimhan, dean faculty and research at IMD, Lausanne, Switzerland, from the class of 1991; Madan Pillutla, faculty member of London School of Business, received the distinguished alumnus award (academician).

This year's Homecoming saw the reunion of the batches of 1979 and 1969 celebrate their 40th and 50th year respectively. Many alumni of the batch of 1971 also participated in the celebrations.

In all, over 250 XLRI alumni took part in this year's Homecoming on XLRI campus.

XLRI director Father P. Christie said the annual Homecoming was one of the most prestigious and important events in the XLRI calendar. "Our alumni are the torchbearers of the 'XL' culture and have taken the vision and mission of XLRI to the world. They are the true role models for our present and future students and are the ones who inspire themy. It is a proud moment for us to welcome them back on campus and felicitate them for their achievements."

XLRI Alumni Association-president Rana Sinha said XLRI could claim to have the "most active networking of alumni among Indian B-schools". "This year, we celebrated alumni summer meets in Chennai, Calcutta, Hyderabad, Delhi, Mumbai, Pune, Bangalore, Dubai and Singapore."

"Homecoming is our annual XL family get-together that strengthens ties," Pranabesh Ray, chairperson of the XLRI's alumni association, said.

Anand Narasimhan, dean faculty and research at IMD, Lausanne, Switzerland, receives distinguished alumnus award (academician) from XLRI director Father P Christie in Jamshedpur on Saturday. Picture by Bhola Prasad

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 17 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

Start with self-belief for a start-up: expert

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: Self-belief and what it means to you could decide how far you go and what you accomplish, specially in matters of entrepreneurship, believes motivational speaker Kanishk Saraogi.

The entrepreneurship cell of Motilal Nehru Public School (MNPS) organised a session for students interested in private enterprise. The school has formed a club and has conducted a couple of sessions and competitions in collaboration with XLRI students and Learning While Travelling, a Calcutta-based start-up.

On Monday, the school organised another motivational session by Saraogi, a Calcutta-based graduate from St Xavier's College, who is also the founder of an organisation called We are One. Saraogi, 21, conducted a session on the law of attraction for students of MNPS.

According to him, law of attraction is important to hold the thought of business in the subconscious mind, as young students develop faith by using the law.

"The session was on how to use positive thinking to attract what we want in our lives. I taught students various steps to manifest asking what we really want, believing it with full faith and acting accordingly. I also taught visualisation and how to go deep into that visualisation," said Saraogi, who's pursuing his masters in social enterprise from University of Stirling, Scotland. He also works as a motivational speaker and a meditation teacher as "it calms a person down and helps him focus better".

Kanishk Saraogi addresses students of MNPS in Jamshedpur on Monday. Picture by Bhola Prasad

"I have trained over 1,700 people in this technique and it works," said Saraogi.

Apart from Saraogi, Vishal Kumar, the founder of Learning While Travelling, also conducted a session on entrepreneurship. "We have planned the club activities in a way that there is an activity on the 16th of every month. The session on Monday helped students go beyond the confinement of classroom teaching exposing them to ways of improving themselves," said MNPS principal Ashu Tiwary.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 27 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

30-YEAR-OLD STEEL CITY RESIDENT SETS UP ORGANIC FARM

Techie quits job to become farmer

Rakesh Mahanty at his farm in Patamda near Jamshedpur.
Telegraph pic

ANTARA BOSE

Jamshedpur: When Rakesh Mahanty, 30, joined Tata Consultancy Services in Calcutta after completing his Btech in mechanical engineering from Bangalore Institute of Technology in 2012, he didn't think he would end up becoming a full-time farmer five years later.

The resident of Jamshedpur is now the founder of social enterprise Brook N Bees that not only helps local farmers produce organic vegetables, but also educates urban communities on sustainable farming practices under the Farm Pathshala project.

An alumnus of Kerala Samajam Model School, Mahanty founded Brook N Bees — which he describes as an enterprise that blends the social fabric of the farmer tribe with modern agricultural technology — after completing a six-month certificate course in entrepreneurship development at XLRI in 2017.

He grows traditional as well as exotic vegetables in his 40-acre farm in Patamda that employs around 40 farmers across three indigenous groups — Munda, Santhal and Sabar.

His farm has adopted techniques such as drip irrigation, protected cultivation and vermicomposting.

Mahanty has successfully grown red rice, black rice and vegetables such as lettuce and tomatoes.

Brook N Bees is certified by the United States of Department of Agriculture-National Organic Program (USDA-NOP) and National Programme for Organic Production (NPOP), Government of India. In 2018-19, Brook N Bees earned a revenue of Rs 8 lakh.

"I was always interested in rural development. After completing four years in TCS, I thought to come back and do something in that direction," said Mahanty, who aims to connect farmers to the retail market without the involvement of middlemen.

Mahanty said though organic produce cost around 1.5 times higher than normal vegetables, they were beneficial for health.

The 30-year-old also conducts sessions with young people interested in agriculture.

The Farm Pathshala programme is designed to introduce sustainable farming practices to school students, corporate employees and urban dwelling communities.

Around two months ago, a group of 15 XLRI students underwent a session on agro-ecology and its elements, traditional and modern farming and farm activities at under the project.

"I feel people need to know where their food comes from and what labour goes into getting that food onto the platter," Mahanty said.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 14 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

GOOD MORNING

EVENTS

■ Distinguished alumnus awards ceremony at XLRI in Jamshedpur, 5.45pm.

PUBLICATION:Udit Vani
DATE:3 December 2019
EDITION:Jamshedpur
PAGE: 10

एक्सएलआरआई ने अपने दिल्ली-एनसीआर परिसर के शुरू होने की घोषणा की

जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) ने अपने अकादमिक सत्र 2020-2022 के लिए दिल्ली-एनसीआर कैंपस शुरू करने की घोषणा की. उक्त जानकारी दिल्ली-एनसीआर के कैम्पस के निदेशक ने कही. उन्होंने बताया कि पहले चरण में बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम (2020-22 बैच) के लिए प्रत्येक 60 छात्रों के दो वर्गों को प्रवेश दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि जेवियर एडमिशन टेस्ट-2020 के लिए पंजीकरण 10 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है. बताया कि नई दिल्ली में एक्सएलआरआई के नए परिसर में एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर के समान शैक्षणिक तथा पाठ्यक्रम होंगे.

PUBLICATION:Udit Vani
DATE: 26 December 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

हॉर्टिकल्चरल सोसायटी के फ्लावर शो का समापन

■ ओवर ऑल चैम्पियन बने एक्सएलआरआई एवं प्रमोद सिंह ■ अलग-अलग कैटेगरी के लिए चुने गए विजेता

जमशेदपुर : हॉर्टिकल्चरल सोसायटी की ओर से आयोजित चार दिवसीय फ्लावर शो का आज शाम समापन हुआ. फ्लावर शो में आमेच्योर्स में प्रमोद सिंह व इंस्टीट्यूशन में एक्सएलआरआई ओवरऑल चैम्पियनशिप बने. उपायुक्त रविकांत शुक्ला ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया. हॉर्टिकल्चरल सोसायटी की ओर से गोपाल मैदान में चल रहे चार दिवसीय फ्लावर शो में लोगों की काफी भीड़ उमड़ी. अलग-अलग कैटेगरी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. आमेचर्स में ओवरऑल चैम्पियनशिप प्रमोद सिंह व इंस्टीट्यूशन में एक्सएलआरआई ओवरऑल चैम्पियनशिप बने. आमेचर्स में साइजर एरिस्टोकेट वेरायटी के किंग ऑफ शो बने जबकि सीटऑनलेक में निरंजन महतो क्वीन ऑफ शो बने. उसी तरह इंस्टीट्यूशन में विग इंगलिश स्कूल व इसी स्कूल के लेडीज च्वाइश में किंग ऑफ शो व क्वीन ऑफ शो बने. बेस्ट डिस्प्ले एक्जीविशन व बेस्ट डिस्प्ये नर्सरी स्टॉल पांडा नर्सरी बना. आमेचर्स में बेस्ट डिस्प्ले एक्जीविशन में विनय अहूजा, इंस्टीट्यूशन में बेस्ट डिस्प्ले उत्कल ऑटो मोबाइल व इंस्टीट्यूशन आउट स्टेशन में टाटा स्टील कलिंगानगर बना. क्रिसथेमम में साइजर व विग इंगलिश स्कूल, डालिया में साइजर व एकसएलआरआर, पोटेड प्लांट में प्रमोद सिंह व एक्एलआरआई, बोंसाई में भवेश मंडल व मेसर्स बॉर्ना स्टोर चैम्पियन बना. पोटेड फ्रूट व वेजिटेबल में टीआरएफ, गुलाब में प्रमोद सिंह व गंगा रिजेंसी, सीजनल में प्रमोद सिंह व एक्सएलआरआई व कट फ्लावर में चंदन दलाल व एक्सएलआरआई चैम्पियन बने. विजेताओं को बतौर मुख्य अतिथि जिला के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने प्रदान किया. इस अवसर पर हॉर्टिकल्चर सोसायटी के सचिव अनिल जायसवाल, सुनिता नुपूर, अश्विनी कुमार आदि उपस्थित थे.

भाग लेने वाले प्रतिभागी : साइजर एरिस्टोकेट , विग इंग्लिश स्कूल, एक्सएलआरआई, प्रमोद सिंह, भोवेश मंडल, बोरना स्टोर, टीआरएफ, प्रमोद सिंह, गंगा रेसीडेंसी, चंदन दलाल, पांडा नर्सरी, विग इंग्लिश स्कूल, निरंजन महतो.